website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 38 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 18 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

देश को मिली पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात, पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली । देश को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, जो हावड़ा और गुवाहाटी के बीच चलेगी। पूरी तरह वातानुकूलित इस 16 कोच वाली ट्रेन में कुल 823 यात्रियों की क्षमता है। यह ट्रेन लगभग 958-968 किलोमीटर की दूरी मात्र 14 घंटे में तय करती है, जो मौजूदा ट्रेनों से करीब 2.5-3 घंटे कम है। इसकी डिजाइन स्पीड 180 किमी/घंटा है, जिसमें सस्पेंशन सिस्टम, ऑटोमैटिक दरवाजे, बेहतर बर्थ और यात्रा के दौरान क्षेत्रीय व्यंजन (बंगाली/असमिया) उपलब्ध हैं। यह सप्ताह में 6 दिन चलाई जाएगी। यह ट्रेन पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के बीच कनेक्टिविटी, पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 1 जनवरी को दोनों स्टेशनों के बीच (एसी 1, एसी 2 और एसी 3) तीनों श्रेणियों के लिए संभावित किरायों की घोषणा की थी। रेलवे बोर्ड के मुताबिक, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में आरएसी या आंशिक रूप से कन्फर्म टिकटों का कोई प्रावधान नहीं होगा और न्यूनतम 400 किलोमीटर की दूरी के लिए शुल्क लगेगा। एक यात्री को एसी 1, एसी 2 और एसी 3 श्रेणियों में क्रमशः 1,520 रुपये, 1,240 रुपये और 960 रुपये का भुगतान करना होगा, चाहे यात्रा की दूरी एक किमी से 400 किमी के बीच कितनी भी हो। 400 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए, शुल्क की गणना प्रति किलोमीटर के आधार पर की जाएगी, जिसमें एसी 1 के लिए 3.20 रुपये, एसी 2 के लिए 3.10 रुपये और एसी 3 के लिए 2.40 रुपये होंगे।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में किसके लिए आरक्षण

बोर्ड के सर्कुलर में कहा गया, 'लागू होने पर माल एवं सेवा कर अलग से लगाया जाएगा। न्यूनतम शुल्क योग्य दूरी 400 किमी होगी। किराया मौजूदा नियमा के तहत राउंड ऑफ किया जाएगा। इस ट्रेन के लिए केवल कन्फर्म टिकट ही जारी किए जाएंगे। रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन (RAC) / प्रतीक्षा सूची/ आंशिक रूप से कन्फर्म टिकटों का कोई प्रावधान नहीं होगा। समय-समय पर जारी मौजूदा निर्देशों के अनुसार केवल महिला आरक्षण, दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण, वरिष्ठ नागरिक आरक्षण और ड्यूटी पास आरक्षण ही लागू होगा। इस ट्रेन में कोई अन्य आरक्षण कोटा लागू नहीं होगा।

इंदौर दौरे पर राहुल गांधी, दूषित पानी से मौतों के बाद पीड़ित परिवारों से करेंगे मुलाकात

मध्य प्रदेश । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को मध्य प्रदेश के इंदौर दौरे पर रहेंगे। दूषित पानी के सेवन से हुई कई लोगों की मौत के बाद वे स्थानीय नागरिकों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बयान जारी कर पुष्टि की है कि राहुल गांधी अपनी इस यात्रा के दौरान त्रासदी से प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करेंगे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शनिवार सुबह करीब सवा 11 बजे इंदौर पहुंचेंगे। अपने दौरे की शुरुआत में वे बॉम्बे हॉस्पिटल जाकर दूषित पानी से बीमार हुए मरीजों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद राहुल गांधी प्रभावित इलाकों में शामिल भागीरथपुरा पहुंचकर पीड़ित परिवारों से सीधे संवाद करेंगे। राहुल गांधी की यात्रा के दौरान कांग्रेस पार्टी दूषित पानी की घटना को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी करेगी। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की मौजूदगी में यह प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया सेल के अनुसार, इस मुद्दे को लेकर पूरे प्रदेश में राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। इंदौर में कांग्रेस कार्यकर्ता महात्मा गांधी की

प्रतिमाओं के पास धरना प्रदर्शन करेंगे और सरकार से जवाबदेही की मांग करेंगे।

राहुल गांधी के दौरे पर CM मोहन यादव क्या बोले ?

राहुल गांधी के इंदौर दौरे से पहले भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर राजनीतिक आरोप लगाए हैं। इंदौर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार ने भागीरथपुरा के लोगों के दर्द को समझा है और प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए हर संभव कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस हर आपदा को राजनीति का अवसर मान लेती है। सरकार ने इस पूरे मामले को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लिया है। मैं उन्हें सलाह दूंगा कि इस मुद्दे को सकारात्मक तरीके से उठाएं। हम सुझावों का स्वागत करते हैं, लेकिन अगर आपदा के समय राजनीति की गई तो इंदौर की जनता माफ नहीं करेगी।"

कैलाश विजयवर्गीय क्या बोले ?

राज्य के शहरी विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की छवि पर सवाल उठाने को गलत बताया। उन्होंने कहा कि चुनौतियां आती-जाती रहती हैं और उनसे निपटने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए।
कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, "जो लोग इंदौर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें यह भी देखना चाहिए कि भाजपा ने शहर के विकास और स्वच्छता के लिए क्या किया है। कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन इंदौर ने हमेशा आगे बढ़कर चुनौतियों को पार किया है।"

अगर भारत में कुछ भी होता है, तो इसके बारे में हिंदुओं से पूछा जाएगा; मोहन भागवत का बड़ा बयान

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत में यदि कुछ भी अच्छा या बुरा घटित होता है, तो इसके लिए हिंदुओं से सवाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक जीवंत विचार और देश का चरित्र है। भागवत ने यह बातें मध्य महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के गंगापुर में आयोजित हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज की पहचान उसकी समावेशी परंपरा रही है। यह समाज रीति-रिवाज, पहनावे, खान-पान, भाषा, जाति और उपजाति की विविधता को स्वीकार करता आया है और इन मतभेदों को कभी संघर्ष का कारण नहीं बनने देता। उन्होंने कहा कि यही भारत की मूल आत्मा है, जिसने सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद अपनी परंपराओं को सुरक्षित रखा है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, "जो लोग एकीकरण और सद्भावपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखते हैं, वही हिंदू समाज और देश के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे लोग हिंदू कहलाते हैं और उनकी भूमि भारत कहलाती है।" उन्होंने कहा कि यदि लोग अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का प्रयास करें, तो देश भी वैश्विक मंच पर इन्हीं गुणों का प्रदर्शन करेगा। भागवत ने कहा कि आज विश्व भारत से कुछ अपेक्षाएं रखता है और पर्याप्त शक्ति व प्रभाव के साथ भारत वैश्विक स्तर पर सार्थक योगदान देने में सक्षम होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शक्ति का अर्थ केवल सशस्त्र बल नहीं होता, बल्कि इसमें

बुद्धि, सिद्धांत, नैतिक मूल्य और चरित्र भी शामिल होते हैं।

'आत्मनिर्भरता का मार्ग चुना है और...'

मोहन भागवत ने आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए स्थानीय उत्पादों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा, "हमें स्थानीय वस्तुएं खरीदनी चाहिए। जो चीजें यहां नहीं बन सकतीं, उन्हें अन्य देशों से खरीदा जा सकता है। भारतीय नीति निर्माता अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर रहे हैं, लेकिन किसी के दबाव में नहीं।" उन्होंने कहा कि भारत ने आत्मनिर्भरता का मार्ग चुना है और उसी रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हमें विदेशों में रोजगार सृजन की चिंता नहीं करनी चाहिए, यह संबंधित देशों की जिम्मेदारी है। "जब वे वैश्वीकरण की बात करते हैं, तो वैश्विक बाजार की अपेक्षा रखते हैं, जबकि हम वैश्विक परिवार की भावना रखते हैं," उन्होंने कहा। भागवत ने हिंदू समाज में एकता का आह्वान करते हुए कहा कि यह केवल आरएसएस का उद्देश्य नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का साझा लक्ष्य होना चाहिए।

'भगवान राम ने भी रावण से बातचीत के जरिए...'

आरएसएस प्रमुख ने कहा, "हमें जाति, संप्रदाय, भाषा या व्यवसाय की परवाह किए बिना हिंदू मित्र बनाने चाहिए। इससे समाज में समानता और आपसी विश्वास मजबूत होगा। संघ पहल करेगा, लेकिन नेतृत्व समाज को ही करना होगा।" उन्होंने भगवान राम का उदाहरण देते हुए कहा, "भगवान राम ने भी रावण से बातचीत के जरिए युद्ध टालने का प्रयास किया था, लेकिन जब अन्याय बना रहा, तो हथियार उठाने पड़े। हमें भी अन्याय के खिलाफ कदम-दर-कदम संघर्ष करना चाहिए।" आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित युवा सम्मेलन में मोहन भागवत ने युवाओं से अपील की कि वे ज्ञान और कौशल हासिल करने के लिए विदेश जाएं, लेकिन उस अनुभव और क्षमता का उपयोग भारत के विकास के लिए करें। उन्होंने कहा, "युवाओं का योगदान देश की प्रगति और भविष्य निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है।" अपने संबोधन के अंत में उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ न तो किसी का विरोध करता है और न ही किसी से प्रतिस्पर्धा करता है। "हमारा उद्देश्य केवल एक मजबूत, संगठित और सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करना है," कहते हुए उन्होंने युवाओं से इस सामूहिक प्रयास में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

वेनेजुएला की मचाडो ने ट्रंप को सौंपा नोबेल शांति पुरस्कार, शशि थरूर ने बताया राजनीतिक नाटक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने अपना नोबेल शांति पुरस्कार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्पित कर दिया है। लंबे समय से नोबेल पुरस्कार को लेकर चर्चा में रहने वाले ट्रंप ने इस कदम को खुशी-खुशी स्वीकार भी कर लिया। मीडिया के सवालों पर ट्रंप ने इस फैसले का बचाव किया, जिसके बाद दुनिया भर में इस घटनाक्रम को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। वैश्विक राजनीति पर मजबूत पकड़ रखने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने इसे "वेनेजुएला की हताशा और अमेरिकी अहंकार के टकराव का सुनहरा अवसर" करार दिया। एनडीटीवी में लिखे एक संपादकीय लेख में शशि थरूर ने मचाडो के इस कदम को बेशर्म राजनीतिक नाटक बताया। उन्होंने लिखा, "ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से नोबेल

पदक सौंपकर मचाडो ने ऐसा राजनीतिक नाटक किया है, जो बेशर्मी की हद तक पहुंच जाता है।" थरूर ने आगे लिखा कि यह पूरा घटनाक्रम नोबेल पुरस्कार और उसकी प्रतिष्ठा का इस्तेमाल कर उस समर्थन को "खरीदने" की कोशिश है, जिसकी फिलहाल मचाडो को सख्त जरूरत है। उनका इशारा अमेरिका के उस रुख की ओर था, जिसमें वेनेजुएला के मौजूदा उपराष्ट्रपति रोड्रिगेज को समर्थन दिए जाने और मचाडो को दरकिनार किए जाने की बात सामने आई है। दरअसल, मादुरो को लेकर की गई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने मचाडो पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि वेनेजुएला में उनका कोई बड़ा समर्थक आधार नहीं है और न ही वहां उन्हें कोई खास सम्मान मिलता है। इसी कारण ट्रंप ने स्पष्ट किया था कि वह मचाडो का समर्थन नहीं करेंगे। शशि थरूर ने कहा कि मचाडो का यह कदम उनकी राजनीतिक हताशा को उजागर करता है, जबकि ट्रंप ने इस पूरे मामले में ऐसी अनैतिक क्रूरता दिखाई है, जिसे लेकर उनके आलोचक भी शायद उन्हें कम आंकते रहे होंगे। उन्होंने मचाडो के इस कृत्य को "राजा की चापलूसी" और ट्रंप द्वारा इसे स्वीकार करने को "चोरी की कला" बताया। थरूर ने अपने लेख में तंज कसते हुए लिखा, "मचाडो ने भले ही सोना सौंप दिया हो, लेकिन ऐसा करके उन्होंने शायद अपना आखिरी तुरुप का पत्ता भी गंवा दिया है। वहीं सौदेबाज़ी के माहिर ट्रंप ने अपने विशाल संग्रह में एक और वस्तु जोड़ ली है।"

'महाराष्ट्र की राजनीति के जयचंद हैं उद्धव ठाकरे', BMC में हार पर संजय निरुपम ने खूब सुनाया

महाराष्ट्र। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने नगर निगम चुनाव में शिवसेना (UBT) की हार पर तंज कसा है। शनिवार को उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र की राजनीति का अगर कोई जयचंद है तो वह यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे हैं। उन्होंने 2019 में भाजपा के साथ चुनाव लड़कर जिस तरीके से शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के हिंदुत्व की विचारधारा के गद्दारी की और उन्होंने कांग्रेस व शरद पवार से हाथ मिलाया, ये ही जयचंदी प्रवृत्ति है। इसी जयचंदी प्रवृत्ति के कारण उनके हाथ से पूरी पार्टी निकल गई। एकनाथ शिंदे तो बहादुर हैं और प्रतिबद्ध शिव सैनिक हैं, जिन्होंने शिवसेना प्रमुख के विचारों के आधार पर वापस शिवसेना को ट्रैक पर लाया और भाजपा के साथ हिंदुत्व की विचारधारा से प्रेरित सरकार बनाई।' महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे ने भी निकाय चुनाव के नतीजों पर आज प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मुंबई के लोगों ने, राष्ट्रभक्त लोगों ने भाजपा और महायुति का साथ दिया है, अपना विश्वास जताया है। विकास और सुरक्षा, इन दो मुद्दों पर हमने चुनाव लड़ा था। मुझे विश्वास है कि इस ओर हम जरूर काम करेंगे और मुंबई

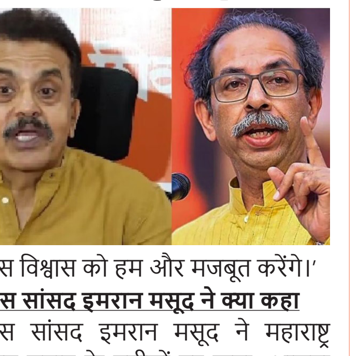

के इस विश्वास को हम और मजबूत करेंगे।'

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने क्या कहा

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने महाराष्ट्र निकाय चुनाव के नतीजों पर कहा, 'भाजपा अपने सभी घटक दलों को खा गई है। अजीत पवार और एकनाथ शिंदे को विचार करना चाहिए। हम तो जहां थे वहीं खड़े हैं लेकिन एकनाथ शिंदे और अजीत पवार से पूछिए कि वे कहां खड़े हैं, जो घटक उनके साथ खड़े थे उनका अस्तित्व खत्म हो गया। जो BMC में शिवसेना का झंडा फहराते थे उन शिवसैनिकों को सोचना चाहिए कि 45 साल के बाद वहां से उनका कब्जा खत्म हो गया, चाहे वह एकनाथ शिंदे हों या उद्धव ठाकरे, उन्हें सोचना चाहिए। यही हाल NCP का है। भाजपा अपने घटक दलों को खत्म करती है।'

पटना में RJD की लगातार दूसरे दिन हाईलेवल बैठक, संगठन विस्तार और तेजस्वी की बिहार यात्रा पर मंथन

पटना। पटना में लगातार दूसरे दिन भी आरजेडी की अहम बैठक हुई। शनिवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने अपने सरकारी आवास एक पोलो रोड में पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। विधायक, विस चुनाव के प्रत्याशी और पार्टी नेताओं के साथ बैठक में राजद ने संगठन और सदन, दोनों मोर्चों पर रणनीति तय की। बैठक के बाद प्रदेश राजद अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा ककि राजद अब केवल प्रतिक्रिया की राजनीति नहीं करेगा, बल्कि संगठन विस्तार और जनसंपर्क को प्राथमिक एजेंडा बनाया गया है। पार्टी की मजबूती, बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और तेजस्वी यादव की आगामी बिहार यात्रा को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। राजद नेतृत्व का मानना है कि जमीनी स्तर पर सक्रियता ही आने वाले समय में पार्टी को निर्णायक बढ़त दिला सकती है।
इससे पहले गुरूवार को विस चुनाव के

बाद विदेश दौरे से लौटे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की अध्यक्षता में राजद संसदीय दल की बैठक हुई। जिसमें पार्टी के सभी लोकसभा और राज्यसभा के सांसद शामिल हुए। दो घंटे तक चली बैठक में संसद के बजट सत्र में बिहार से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को मजबूती से उठाने, केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि राजद बिहार को विशेष राज्य का दर्जा की मांग करता रहा है, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक इस पर ठोस निर्णय नहीं लिया। ऐसे में संसद के दोनों सदनों में इन मांगों को एकजुटता के साथ उठाए जाए।
इससे पहले बिहार चुनाव में करारी हार के बाद लंबी छुट्टी पर विदेश यात्रा पर गए तेजस्वी यादव पर विपक्ष ने जमकर हमला बोला था। भाजपा नेताओं ने कहा कि तेजस्वी को बताना चाहिए कि वे किस उद्देश्य से विदेश गए हैं और यात्रा का खर्च कौन उठा रहा है। उनका कहना है कि जनता को जवाबदेही चाहिए, क्योंकि नेता प्रतिपक्ष का दायित्व राज्य के मुद्दों को मजबूती से उठाना है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि यह यात्रा निजी लाभ के लिए की गई है, न कि बिहार की जनता के हित में। वहीं राजद की ओर से विपक्ष के आरोपों को निराधार बताया गया है। आपको बता दें बिहार विधानसभा चुनाव में 143 सीटों पर लड़ने वाली राजद को सिर्फ 25 सीटों पर जीत मिली।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कुपवाड़ा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। शुक्रवार को 'वार ऑन ड्रग्स' अभियान के दौरान पुलिस ने 2.3 किलोग्राम हेरोइन जैसे मादक पदार्थ के साथ एक महिला ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई जिले में नशे की तस्करी पर रोक लगाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कुपवाड़ा पुलिस की टीम गुलगाम क्षेत्र के मगराय मोहल्ला के पास नाका लगाकर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान वाहन संख्या जेके09सी-1178 को जांच के लिए रोका गया। वाहन में सवार एक महिला यात्री के हाव-भाव संदिग्ध पाए गए। पुलिस के रोकते ही वाहन चालक और दो अन्य सवार मौके से वाहन लेकर फरार हो गए, जबकि महिला को पुलिस ने मौके पर ही पकड़ लिया।

महिला की तलाशी लेने पर उसके पास से 2.3 किलोग्राम हेरोइन जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। इसके बाद महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। इस मामले में पुलिस थाना कुपवाड़ा में एफआईआर संख्या 13/2026 एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/29 के तहत दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस नशे के कारोबार और उससे जुड़े अवैध आर्थिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

ईरान से लौटे भारतीयों की सुरक्षित वापसी, परिजनों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

नई दिल्ली। ईरान से लौट रहे भारतीय नागरिकों के स्वागत में दिल्ली एयरपोर्ट पर भावुक और राहत भरा माहौल देखने को मिला। बीते कुछ दिनों से ईरान में इंटरनेट सेवाएं बंद रहने की खबरों के चलते परिजन गहरी चिंता में थे, लेकिन अपनों की सुरक्षित वापसी ने सभी के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी। एयरपोर्ट पर इंतज़ार कर रहे एक परिजन ने बताया कि उनकी मां और मौसी तीर्थयात्रा के लिए ईरान गई थीं। उन्होंने कहा, "पिछले एक हफ्ते से इंटरनेट बंद था, इसलिए हम उनसे संपर्क नहीं कर पा रहे थे। यह हमारे लिए बहुत तनाव भरा समय था। अब उनकी सुरक्षित वापसी से हमें बड़ी राहत मिली है।" एक अन्य परिवार के सदस्य ने बताया कि उनकी मां 7 जनवरी को तीर्थयात्रा के लिए ईरान पहुंची थीं। शुरुआती दो दिनों तक बातचीत होती रही, लेकिन 8 जनवरी के बाद इंटरनेट बंद होने से संपर्क पूरी तरह टूट गया। उन्होंने कहा, "मां ने पहले ही बताया था कि हालात सामान्य हैं। इसके बाद बात नहीं हो सकी, लेकिन अब उनके लौटने की खबर से मन को सुकून मिला है।" दिल्ली एयरपोर्ट पर एक परिवार अपने पिता और बहन को लेने पहुंचा था। उन्होंने सरकार की सराहना करते हुए कहा, "सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। हम इसके लिए धन्यवाद देते हैं। यह हमारे लिए खुशी का पल है कि हमारे अपने सुरक्षित वापस आ रहे हैं।" कुछ परिजन दिल्ली के रहने वाले हैं, जबकि उनके रिश्तेदार उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले से तीर्थयात्रा के

लिए ईरान गए थे। उन्होंने बताया कि वहां का माहौल थोड़ा तनावपूर्ण जरूर बताया गया था, लेकिन किसी तरह की बड़ी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि उनकी भाभी और गांव के आठ अन्य लोग भी सुरक्षित लौट रहे हैं। वहीं एयरपोर्ट पर मौजूद एक परिजन ने कहा, "ईरान में व्यवस्थाएं काफी अच्छी हैं। कुछ लोग दंगे और अशांति की अफवाहें फैला रहे थे, लेकिन हमारी मां से जो बातचीत हुई, उसके अनुसार वहां हालात सामान्य थे। ईरानी सरकार स्थिति को संभाल रही है और भारतीय सरकार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी पूरी मदद कर रही है।" ईरान से लौटे एक भारतीय नागरिक ने बताया, "अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है, हालांकि पहले जैसी नहीं है।" एक अन्य यात्री ने कहा, "फिलहाल हालात स्थिर हैं। इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय कॉल बंद होने से डर जरूर लगा था, लेकिन बाद में सेवाएं बहाल हो गईं। इस दौरान भारतीय दूतावास और सरकार ने हमारी काफी मदद की, जिसके लिए हम आभारी हैं।" एक और लौटे नागरिक ने स्पष्ट किया, "हम पूरी तरह सुरक्षित थे। कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। हमने अपनी व्यवस्था से वापसी की।" वहीं एक यात्री ने बताया, "इंटरनेट नियंत्रण के उद्देश्य से बंद किया गया था। कोई असामान्य स्थिति नहीं थी। ऐसी परिस्थितियां हर देश में कभी-कभी होती हैं। पर्यटकों को कोई परेशानी नहीं हुई और हालात सामान्य रहे।"
ईरान से लौटे भारतीयों की सुरक्षित वापसी ने न केवल परिजनों को राहत दी, बल्कि सरकार और दूतावास की तत्परता पर लोगों का भरोसा भी मजबूत किया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

महाराष्ट्र के निकाय चुनाव परिणाम क्या बताते हैं?

महाराष्ट्र के निकाय चुनाव परिणाम केवल स्थानीय सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं कहते, बल्कि राज्य और राष्ट्रीय राजनीति के बदलते मिज़ाज का संकेत देते हैं। देश की सबसे बड़ी जीडीपी वाले राज्य में 29 नगर निगमों के चुनाव नतीजे यह साफ करते हैं कि शहरी राजनीति अब केवल स्थानीय मुद्दों या क्षेत्रीय अस्मिता तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसका सीधा जुड़ाव व्यापक वैचारिक और राष्ट्रीय प्रवृत्तियों से हो चुका है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका में पहली बार भाजपा (प्लस) का सत्ता में आना अपने आप में बड़ी घटना है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है ठाकरे बंधुओं के गठजोड़ की हार। यह वही बीएमसी है जिसे बाला साहेब ठाकरे की राजनीतिक विरासत का सबसे मजबूत किला माना जाता था। ढाई दशक बाद देश के सबसे अमीर निकाय का हाथ से निकल जाना यह संदेश देता है कि आक्रामक हिंदुत्व के पुरोधा की विरासत अब उसी वैचारिक धारा की नई ताकत के हाथों में चली गई है। यह बदलाव बताता है कि मराठी मानुष की क्षेत्रीय भावना अब केवल क्षेत्रीय राजनीति के सहारे आगे नहीं बढ़ सकती, उसे वृहत् हिन्द पहचान के साथ सामंजस्य बैठाना होगा। हालांकि यह भी सच है कि इन चुनावों को भाजपा का पूर्ण क्लीन स्वीप नहीं कहा जा सकता। उद्धव और राज ठाकरे की जोड़ी ने संयुक्त रूप से यह दिखाया कि ठाकरे नाम की राजनीतिक पकड़ अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। लेकिन यह प्रभाव सीमित रहा और दीर्घकालिक दिशा तय करने के लिए दोनों को अपनी रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करना होगा। केवल भावनात्मक अपील या पुरानी विरासत के भरोसे शहरी मतदाता को लंबे समय तक साधे रखना अब मुश्किल होता जा रहा है। पुणे में भाजपा की दोबारा जीत यह संकेत देती है कि शरद पवार जैसे कद्दावर नेता का प्रभाव भी शहरी महाराष्ट्र में कमजोर पड़ रहा है। यह केवल एक शहर का परिणाम नहीं, बल्कि उस सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है जिसमें शहरी मध्यम वर्ग, विकास, स्थिरता और वैचारिक स्पष्टता को प्राथमिकता दे रहा है। बाकी 27 नगर निगमों में भाजपा का बेहतर प्रदर्शन यह दर्शाता है कि पार्टी केवल चुनावी गठजोड़ों के सहारे नहीं, बल्कि एक स्थायी शहरी जनाधार बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। महाराष्ट्र ऐतिहासिक रूप से भाषा और क्षेत्रीय पहचान को मजबूती से थामे रहा है, ठीक वैसे ही जैसे तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक। यही वजह रही कि भाजपा इन राज्यों में अपेक्षित विस्तार नहीं कर पाई। लेकिन महाराष्ट्र के हालिया परिणाम यह संकेत देते हैं कि व्यापक हिन्दत्व की राजनीति में सर्वभाव-समाहन की क्षमता है, जिसमें क्षेत्रीय पहचान को पूरी तरह नकारे बिना उसे एक बड़े वैचारिक फ्रेम में समाहित किया जा सकता है। यदि यह प्रयोग सफल माना गया, तो ताज्जुब नहीं कि आने वाले समय में भाजपा इसी मॉडल को दक्षिण के अन्य राज्यों में भी आजमाने की कोशिश करे।

विनाशक युद्ध की आहट और दुनिया

ईरान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल एक देश की आंतरिक बेचैनी या सत्ता-विरोधी आंदोलन की कहानी नहीं है। यह उस वैश्विक राजनीति का खतरनाक मोड़ है, जहां छद्म लोकतंत्र, मजहबी कट्टरता, आर्थिक असमानता और महाशक्तियों की वर्चस्ववादी महत्वाकांक्षाएं एक-दूसरे से टकरा रही हैं। इस टकराव से उठती चिंगारी सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि पूरी दुनिया को अपनी लपटों में लेने की क्षमता रखती है। तेहरान से लेकर छोटे कस्बों तक सड़कों पर उतरता जन सैलाब, उबलता गुस्सा, सरकार की सख्त और दमनकारी प्रतिक्रिया, और इसके समानांतर अमेरिका की सैन्य चेतावनियां—ये सभी मिलकर एक ऐसे त्रिकोण का निर्माण कर रहे हैं, जिसके केंद्र में विनाशक युद्ध की आशंका दिन-ब-दिन गहराती जा रही है। ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन अब केवल रोटी, रोजगार या महंगाई तक सीमित नहीं हैं। यह सच है कि आर्थिक संकट ने आग में घी का काम किया है। वर्षों से लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध, कुशासन, भ्रष्टाचार और वैश्विक अलगाव ने ईरानी अर्थव्यवस्था को भीतर से खोखला कर दिया है। महंगाई की दर आम नागरिक की पहुंच से बाहर जा चुकी है। बेरोजगारी, खासकर युवाओं में, भयावह स्तर पर है। ईरानी मुद्रा रियाल डॉलर के मुकाबले लगातार गिरती गई और आम लोगों की बचत, उनकी मेहनत की कमाई, देखते-देखते कागज का टुकड़ा बन गई। लेकिन जो बात इन प्रदर्शनों को असाधारण बनाती है, वह है उनका वैचारिक स्वरूप। अब सवाल सिर्फ पेट का नहीं, बल्कि सत्ता की वैधता का है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद पहली बार ऐसा दिखाई दे रहा है कि ईरान का धर्मतंत्र समाज के एक बड़े हिस्से से वैचारिक रूप से कटता जा रहा है। महिलाएं, युवा, छात्र, शहरी मध्यम वर्ग और यहां तक कि कुछ हद तक परंपरागत धार्मिक परिवारों के सदस्य भी इस असंतोष में शामिल हैं। महिलाओं की भागीदारी ने आंदोलन को नैतिक और प्रतीकात्मक शक्ति दी है। हिजाब, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और जीवन-शैली से जुड़े सवाल अब केवल सामाजिक बहस नहीं रहे, बल्कि राजनीतिक प्रतिरोध का रूप ले चुके हैं। युवाओं के लिए यह संघर्ष भविष्य और पहचान का है—एक ऐसी व्यवस्था के खिलाफ, जो उन्हें अवसर देने के बजाय नियंत्रण में रखने पर ज्यादा भरोसा करती है। इन आंदोलनों की प्रकृति धीरे-धीरे बदलती दिखाई दे रही है। शुरुआती चरण में शांतिपूर्ण प्रदर्शन अब कई जगह हिंसा, आगजनी और सरकारी प्रतिष्ठानों पर हमलों में तब्दील हो चुके हैं। कुछ समूह खुले तौर पर शासन परिवर्तन की बात कर रहे हैं। यह स्थिति सीरिया की याद दिलाती है, जहां शांतिपूर्ण विरोध धीरे-धीरे गृहयुद्ध में बदल गया था। ईरानी सत्ता प्रतिष्ठान इस खतरे को भली-भांति समझता है और शायद इसी कारण उसकी प्रतिक्रिया और भी कठोर होती जा रही है। इंटरनेट ब्लैकआउट, सामूहिक गिरफ्तारियां, सुरक्षा बलों की गोलीबारी, त्वरित अदालतें और मृत्युदंड—ये सब इस बात का संकेत हैं कि सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई किसी भी कीमत पर सत्ता की पकड़ ढीली करने को तैयार नहीं हैं। ईरानी नेतृत्व लगातार इन प्रदर्शनों को विदेशी साजिश करार देता रहा है। अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी देशों पर आरोप लगते रहे हैं कि वे ईरान की स्थिरता को तोड़ना चाहते हैं। निश्चित रूप से इसमें कुछ हद तक सच्चाई हो सकती है कि बाहरी शक्तियां इस असंतोष का अपने हित में इस्तेमाल करना चाहती हों, लेकिन यह तर्क अब घरेलू स्तर पर अपना असर खोता जा रहा है। आम ईरानी नागरिक के लिए समस्या किसी विदेशी साजिश से ज्यादा उसकी रोजमर्रा की जिंदगी की कठिनाइयों से जुड़ी है।

सवाल अब यह नहीं कि विरोध क्यों हो रहे हैं, बल्कि यह है कि क्या मौजूदा व्यवस्था उन्हें लंबे समय तक दबा पाएगी। इसी आंतरिक उथल-पुथल के बीच अमेरिका और ईरान के रिश्ते एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गए हैं। मानवाधिकार उल्लंघनों और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को आधार बनाकर वाशिंगटन लगातार दबाव बढ़ा रहा है। नए प्रतिबंध, सैन्य चेतावनियां और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिक तैनाती यह संकेत देती है कि अमेरिका सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं रहना चाहता। हालांकि, यह भी समझना जरूरी है कि अमेरिका पूर्ण पैमाने का युद्ध भी नहीं चाहता। इसका कारण अमेरिका की शांति-प्रियता नहीं, बल्कि उसकी रणनीतिक मजबूरियां हैं। यूक्रेन युद्ध, इजराइल-गाजा संघर्ष और घरेलू राजनीतिक दबावों के बीच एक और बड़े युद्ध का बोझ उठाना वाशिंगटन के लिए आसान नहीं होगा। अमेरिकी रणनीति फिलहाल सीमित सैन्य कार्रवाई, आर्थिक दबाव और कूटनीतिक धमकियों तक सिमटी हुई दिखती है। यह एक तरह की "नियंत्रित आक्रामकता" है, जिसमें विरोधी को लगातार दबाव में रखा जाता है, लेकिन युद्ध की रेखा पार नहीं की जाती। फिर भी इतिहास बताता है कि युद्ध अक्सर योजनाओं से नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं से शुरू होते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी जहाज पर हमला, किसी ड्रोन का गिराया जाना या किसी सैन्य ठिकाने पर गलतफहमी में की गई कार्रवाई—इनमें से कोई भी घटना हालात को बेकाबू कर सकती है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच सीधा युद्ध होता है, तो उसके प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेंगे। ईरान के लिए इसका अर्थ होगा उसके तेल रिफाइनरियों, सैन्य ठिकानों और परमाणु संयंत्रों पर हमले। उसकी पहले से जर्जर अर्थव्यवस्था लगभग ठप हो जाएगी। लंबे समय तक चले युद्ध की स्थिति में देश गृहयुद्ध की ओर भी फिसल सकता है। इस पूरी त्रासदी की सबसे भारी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ेगी, जिनके लिए शांति पहले ही दुर्लभ हो चुकी है। अमेरिका के लिए यह युद्ध सैन्य रूप से भले ही सीमित और तकनीकी रूप से नियंत्रित रहे, लेकिन राजनीतिक और रणनीतिक रूप से बेहद महंगा साबित हो सकता है। मध्य-पूर्व में फैले उसके सैन्य अड्डे प्रतिशोध के निशाने पर होंगे। घरेलू स्तर पर युद्ध-विरोधी माहौल और तेज होगा। अंतरराष्ट्रीय मंच पर अमेरिका की 'नैतिक नेतृत्व' वाली छवि, जो पहले ही कई सवालों के घेरे में है, को और गहरा झटका लगेगा। सबसे अहम बात यह है कि अमेरिका का ध्यान एशिया-प्रशांत क्षेत्र से हटेगा, जो उसके दीर्घकालिक रणनीतिक हितों के विपरीत है।

वैश्विक स्तर पर इसका सबसे तात्कालिक और प्रत्यक्ष असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ेगा। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। यहां जरा-सी अस्थिरता भी तेल की कीमतों को 120 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा सकती है। इसका सीधा मतलब है—वैश्विक महंगाई, आर्थिक मंदी और विकासशील देशों पर असहनीय दबाव। यूरोप, जो पहले ही ऊर्जा संकट और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है, इस झटके को शायद सबसे ज्यादा महसूस करेगा। इस पूरे परिदृश्य में चीन और रूस की भूमिका भी बेहद अहम है। दोनों देश ईरान के संकट को अपने-अपने रणनीतिक लाभ के रूप में देखते हैं। चीन चाहता है कि अमेरिका मध्य-पूर्व में उलझा रहे, ताकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उसकी पकड़ कमजोर पड़े। रूस के लिए यह पश्चिमी एकता को कमजोर करने और ऊंची ऊर्जा कीमतों से आर्थिक लाभ उठाने का अवसर है। लेकिन यह भी स्पष्ट है कि चीन या रूस में से कोई भी ईरान के लिए अमेरिका से सीधा युद्ध लड़ने को तैयार नहीं है। ईरान उनके लिए एक साझेदार से ज्यादा एक रणनीतिक साधन है—ऐसा साधन जिसे जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन जिसके लिए वे अपनी सीमाएं पार नहीं करेंगे। भारत के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। तेल आयात पर निर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था पर बढ़ती कीमतों का सीधा असर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, रुपये पर दबाव बनेगा और शेयर बाजारों में अस्थिरता आएगी। खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा भी एक गंभीर प्रश्न बन जाएगी। इसके अलावा ईरान के साथ भारत की रणनीतिक परियोजनाएं—जैसे चाबहार बंदरगाह और अफगानिस्तान तक संपर्क—भी प्रभावित हो सकती हैं। यह भारत की क्षेत्रीय कूटनीति के लिए एक बड़ा झटका होगा। फिर भी, हर संकट के साथ कुछ अवसर भी छिपे होते हैं। भारत की संतुलित और स्वायत्त विदेश नीति उसे एक संभावित मध्यस्थ की भूमिका में ला सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान, रूस और खाड़ी देशों—सभी के साथ संवाद के चैनल खुले हैं। लेकिन इस भूमिका के लिए जरूरी है कि भारत किसी भी खेमे में खड़ा होने की जल्दबाजी न करे और अपने दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दे। अंततः, ईरान का संकट केवल एक देश की संप्रभुता या आंतरिक राजनीति की कहानी नहीं है। यह उस वैश्विक व्यवस्था का आईना है, जहां दमन, असमानता और शक्ति-राजनीति मिलकर अस्थिरता को जन्म देती हैं। युद्ध शायद अभी टल सकता है, लेकिन उसके बीज बोए जा चुके हैं। असली सवाल यह नहीं है कि दुनिया इस आग को देख रही है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या वह इसे फैलने से रोकने के लिए समय रहते कुछ करने का साहस दिखाएगी। अगर नहीं, तो यह चिंगारी जल्द ही ऐसी लपटों में बदल सकती है, जो पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले ले।

AI का उपयोग और दुरुपयोग जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता

आज की दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) किसी विज्ञान-कथा का हिस्सा नहीं रह गई है। यह हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन चुकी है। स्मार्टफोन से लेकर ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर, वित्तीय सेवाओं, शिक्षा और यहां तक कि मनोरंजन तक, AI हर जगह मौजूद है। इसके विकास ने तकनीकी संभावनाओं की सीमा बढ़ा दी है और इंसानी क्षमताओं को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में मदद की है। लेकिन जितना AI का उपयोग मानव जीवन को बेहतर बनाने में किया जा सकता है, उतना ही इसका दुरुपयोग गंभीर खतरे पैदा कर सकता है।

एआई का उपयोग: जीवन को आसान और उन्नत बनाने वाले क्षेत्र

AI का सबसे स्पष्ट और सकारात्मक उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा सकता है। सबसे पहले स्वास्थ्य क्षेत्र की बात करें, तो AI ने रोगों की पहचान, उपचार और रोगियों की देखभाल के तरीके को बदल दिया है। उदाहरण के लिए, AI आधारित मशीन लर्निंग मॉडल मेडिकल इमेजिंग जैसे एक्स-रे और एमआरआई स्कैन की मदद से कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का जल्दी और सटीक पता लगा सकते हैं। इसके अलावा, AI रोगियों के डेटा का विश्लेषण कर उनके स्वास्थ्य की निगरानी करने और बीमारी के शुरुआती संकेतों का पता लगाने में मदद करता है। शिक्षा का क्षेत्र भी AI की वजह से तेजी से बदल रहा है। आजकल AI आधारित ट्यूटरिंग सिस्टम विद्यार्थियों को उनकी सीखने की शैली के अनुसार अनुकूलित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराते हैं। इससे विद्यार्थी अपनी गति और क्षमता के अनुसार सीख सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म AI का उपयोग करके छात्रों की प्रगति का आंकलन करते हैं और कमजोर विषयों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। वित्तीय सेवाओं में भी AI का बड़ा योगदान है। बैंकिंग और वित्तीय संस्थान AI का उपयोग करके धोखाधड़ी का पता लगाते हैं। क्रेडिट कार्ड और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाकर वे वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। स्टॉक मार्केट और निवेश के क्षेत्र में AI एल्गोरिदम तेजी से डाटा का विश्लेषण कर निवेशकों को सही निर्णय लेने में मदद करता है। स्मार्ट शहरों और ट्रांसपोर्टेशन में भी AI का महत्व बढ़ गया है। सेल्फ-ड्राइविंग कारें, ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें AI की मदद से काम कर रही हैं। इससे ट्रैफिक जाम, दुर्घटनाओं और ऊर्जा की खपत को कम किया जा सकता है। मनोरंजन और मीडिया के क्षेत्र में भी AI का प्रभाव व्यापक है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जैसे नेटफ्लिक्स और यूट्यूब AI आधारित सिफारिश प्रणाली का उपयोग कर उपयोगकर्ताओं को उनके पसंदीदा कंटेंट के आधार पर सुझाव देते हैं। वीडियो गेम और वर्चुअल रियलिटी अनुभव भी AI के कारण अधिक इंटरैक्टिव और यथार्थपूर्ण बन गए हैं।

एआई के दुरुपयोग के क्षेत्र

जहां AI के सकारात्मक उपयोग ने हमारे जीवन को आसान बनाया है, वहीं इसके दुरुपयोग से समाज और व्यक्ति दोनों को गंभीर खतरे हैं। सबसे पहले निजता और डेटा सुरक्षा का मुद्दा है। AI के लिए बड़े पैमाने पर डेटा की आवश्यकता होती है, जिसमें व्यक्तिगत जानकारी भी शामिल होती है। यदि यह डेटा सुरक्षित नहीं रखा गया या गलत हाथों में चला गया, तो यह निजता का बड़ा उल्लंघन बन सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और इंटरनेट आधारित सेवाएं AI का उपयोग कर यूजर के व्यवहार, पसंद और निजी जानकारी को ट्रैक करती हैं। इसका गलत इस्तेमाल विज्ञापन, राजनीतिक प्रचार या यहां तक कि साइबर अपराध में किया जा सकता है। फेक न्यूज और डीपफेक वीडियो भी AI के दुरुपयोग का एक प्रमुख उदाहरण हैं। AI तकनीक की मदद से किसी व्यक्ति की आवाज़ और चेहरा बदलकर असली जैसी वीडियो और ऑडियो बनाई जा सकती है। इसका उपयोग राजनीतिक प्रचार, अफवाह फैलाने या किसी की छवि खराब करने के लिए किया जा सकता है। यह लोकतंत्र और समाज की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। सैन्य और सुरक्षा क्षेत्र में भी AI का गलत इस्तेमाल खतरनाक परिणाम दे सकता है। ड्रोन युद्ध और ऑटोनॉमस हथियार प्रणाली के माध्यम से बिना मानव निर्णय के हमले किए जा सकते हैं। यदि AI आधारित हथियार प्रणाली में कोई त्रुटि हो या इसे हैक कर लिया जाए, तो इससे बड़े पैमाने पर विनाश और नागरिकों की हानि हो सकती है। रोजगार के क्षेत्र में AI का अत्यधिक उपयोग मानव कर्मचारियों के लिए खतरा बन सकता है। मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स के कारण कई पारंपरिक नौकरियां खत्म हो रही हैं। भले ही AI नई नौकरियों के अवसर पैदा करता है, लेकिन कई लोगों के लिए रोजगार असुरक्षित हो सकता है। इस स्थिति से सामाजिक असमानता बढ़ सकती है और आर्थिक असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर भी AI का दुरुपयोग असर डाल सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स में AI आधारित एल्गोरिदम यूजर को लगातार उसी प्रकार की जानकारी दिखाते हैं, जिससे बबल इफेक्ट और सोशल पोलराइजेशन बढ़ता है। इसका परिणाम यह होता है कि लोग अपनी सोच और राय में कट्टर हो जाते हैं और समाज में विघटन पैदा होता है।

AI के दुरुपयोग को रोकने के उपाय

AI का विकास रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसके दुरुपयोग को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए कई स्तरों पर प्रयास करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, कानूनी और नीतिगत ढांचा मजबूत होना चाहिए। सरकारों को AI के उपयोग और डेटा सुरक्षा के लिए स्पष्ट नियम बनाने होंगे। फेक न्यूज, साइबर अपराध और डीपफेक वीडियो के दुरुपयोग के लिए कठोर कानून और दंड व्यवस्था लागू करनी होगी। दूसरा, तकनीकी उपायों को अपनाना जरूरी है। एन्क्रिप्शन, डेटा प्रोटेक्शन और AI निगरानी प्रणाली के जरिए गलत इस्तेमाल को रोकने का प्रयास किया जा सकता है। इसके साथ ही AI सिस्टम में नैतिकता और जिम्मेदारी के नियम अंतर्निहित किए जाने चाहिए, ताकि ऑटोनॉमस निर्णय लेते समय मानव मूल्यों और कानून का पालन सुनिश्चित हो। तीसरा, शिक्षा और जागरूकता भी बेहद महत्वपूर्ण है। लोगों को AI के संभावित खतरे और सही उपयोग के बारे में शिक्षित करना होगा। समाज में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने से लोग फेक न्यूज और ऑनलाइन धोखाधड़ी का आसानी से पता लगा सकेंगे। चौथा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। AI के दुरुपयोग के मामले अक्सर एक देश की सीमाओं में सीमित नहीं रहते। साइबर अपराध, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और हथियार प्रणालियों के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए देशों के बीच समझौते और सहयोग जरूरी हैं।

सुरक्षित पहुंच के बिना मुश्किल है शिक्षा

सरिता अरमोली

उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बसे अनेक छोटे गाँव आज भी शिक्षा के अधिकार की बुनियादी चुनौती से जूझ रहे हैं। यहाँ स्कूल होना मात्र पर्याप्त नहीं है, बल्कि वहाँ तक सुरक्षित पहुँचना और लगातार शिक्षा प्राप्त करना सबसे बड़ी समस्या है। यह समस्या तब और अधिक जटिल हो जाती है जब किशोरियों के लिए शिक्षा के अधिकार का मुद्दा सामने आता है। बागेश्वर जिले के गरुड़ ब्लॉक से लगभग तीस किलोमीटर दूर स्थित एक दुर्गम गाँव सुराग की कहानी इसी सच्चाई को सामने लाती है। यह कहानी किसी एक लड़की की नहीं है, बल्कि उन सैकड़ों किशोरियों की है, जिनके लिए स्कूल जाना रोज़मर्रा का संघर्ष बन चुका है।

इस गाँव की किशोरियाँ सुबह अँधेरे में घर से निकलती हैं। पांच बजे के आसपास शुरू होने वाली यह यात्रा आठ बजे स्कूल पहुँचने पर खत्म होती है। कच्चे और संकरे रास्ते, घने जंगल, जंगली जानवरों का डर और मौसम की मार, यह सब उनके रास्ते का हिस्सा है। स्कूल पहुँचने के बाद भी उनकी चुनौतियां समाप्त नहीं होतीं। पढ़ाई के साथ घरेलू जिम्मेदारियां और सामाजिक अपेक्षाएँ, सब मिलकर उनके लिए शिक्षा को एक बड़ा चैलेंज बना देती हैं। शाम को घर लौटते-लौटते देर हो जाती है और फिर घर के कामों में जुट जाना उनकी दिनचर्या बन जाती है।

ग्रामीण इलाकों में यह स्थिति केवल भौगोलिक कठिनाइयों तक सीमित नहीं है। सामाजिक और आर्थिक कारण भी उतने ही प्रभावी हैं। कई परिवारों के लिए लड़कियों की पढ़ाई आज भी प्राथमिकता नहीं बन पाई है। जब रास्ता कठिन हो और जोखिम भरा हो, तो माता-पिता का डर स्वाभाविक है। इसी डर के कारण कई लड़कियों का स्कूल बीच में ही छुड़वा दिया जाता है। गाँव के बुजुर्ग भी यह मानते हैं कि लड़कियों के लिए इतना लंबा और असुरक्षित रास्ता मानसिक दबाव पैदा करता है, जिससे वे घबराए रहते हैं।

इस गाँव की एक किशोरी पिंकी की कहानी इस पूरे परिदृश्य को और स्पष्ट करती है। वह बताती है कि गांव में हाई स्कूल नहीं होने के कारण उसे सलानी स्थित हाई स्कूल जाना पड़ता था। जो घर से काफी दूर था। जहां आने जाने के लिए परिवहन की कोई सुविधा नहीं है। रोज़ाना भारी बैग उठा कर पहाड़ी रास्तों को तय करना और समय पर घर लौटने की चिंता, सब कुछ उसके लिए कठिन था। लेकिन शिक्षा के प्रति लगन के कारण वह और उसकी जैसी गांव की अन्य लड़कियां रोज इन मुश्किल हालातों का सामना करते हुए स्कूल जाया करती थी। उन्हें उम्मीद थी कि एक दिन स्कूल आने जाने के लिए परिवहन की सुविधा भी शुरू होगी। हालांकि उसकी दसवीं पूरी हो गई, लेकिन आज तक गांव से सलानी के लिए लड़कियों को पैदल ही आना जाना पड़ता है।

ऐसी कहानियाँ इस गाँव तक सीमित नहीं हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में माध्यमिक स्तर पर पहुँचते-पहुँचते बड़ी संख्या में लड़कियाँ स्कूल छोड़ देती हैं, खासकर ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में। शिक्षा मंत्रालय के 2021–22 के आंकड़े बताते हैं कि दुर्गम क्षेत्रों में स्कूल छोड़ने की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। वहीं, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, किशोरियों के लिए स्वच्छ शौचालय और सुरक्षित परिवहन की कमी शिक्षा में निरंतरता की एक बड़ी बाधा है। स्कूल प्रशासन भी इन समस्याओं से अनजान नहीं है। वह जानते हैं कि किस प्रकार लड़कियां रोजाना दुर्गम पहाड़ी रास्तों से होकर हर खतरों से गुजरते हुए स्कूल आती हैं। बारिश के दिनों में तो अक्सर कई दिनों तक वह अनुपस्थित रहती हैं। इसके पीछे मुख्य कारण पहाड़ के फिसलन भरे रास्तों का डर। कुछ किशोरियां तकनीकी या शैक्षणिक सुविधाओं से वंचित रह जाती हैं, क्योंकि नियमित उपस्थिति संभव नहीं हो पाती। जब पढ़ाई में निरंतरता टूटती है, तो उनका मन भी धीरे-धीरे स्कूल से हटने लगता है।

गाँव की कुछ महिलाएं चाहती हैं कि उनके बच्चों विशेषकर उनकी लड़कियों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं मिले। वे मानती हैं कि पढ़ाई ही भविष्य बदलने का रास्ता है। लेकिन संसाधनों की कमी और व्यवस्थागत बाधाएं उनके इरादों के सामने दीवार बनकर खड़ी हो जाती हैं। कई बार लड़कियों को घर के कामों में मदद के लिए स्कूल जाने से रोक लिया जाता है, क्योंकि परिवार की रोज़मर्रा की ज़रूरतें पहले आती हैं। हालांकि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जैसे समग्र शिक्षा अभियान, किशोरियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएँ और निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें। लेकिन इन योजनाओं का लाभ तब ही प्रभावी हो सकता है, जब लड़कियों के लिए स्कूल तक सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित की जाए। सड़क, परिवहन और आवासीय विद्यालय जैसी सुविधाएँ पहाड़ी क्षेत्रों में शिक्षा को सुलभ बना सकती हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट भी इस बात पर ज़ोर देती है कि दुर्गम इलाकों में शिक्षा के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश सबसे आवश्यक है। इस पूरे परिदृश्य में यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा केवल किताबों और कक्षाओं तक सीमित नहीं है। यह सम्मान, सुरक्षा और अवसर से जुड़ा प्रश्न है। जब तक किशोरियों को सुरक्षित वातावरण, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ और सामाजिक समर्थन नहीं मिलेगा, तब तक स्कूल उनके लिए अधूरा सपना बना रहेगा। यह आवश्यक है कि नीतियाँ जमीनी सच्चाइयों को समझते हुए बनाई जाएँ और स्थानीय समुदाय को भी समाधान का हिस्सा बनाया जाए। लेकिन सवाल उठता है कि क्या आने वाले समय में इन लड़कियों की राह आसान होगी? क्या स्कूल तक आसान पहुँच वास्तव में सुराग जैसे दूर दराज पहाड़ी इलाकों की किशोरियों के लिए सुलभ बन पाएगा? जब तक इन सवालों के ठोस जवाब नहीं मिलते, तब तक पहाड़ की इन किशोरियों की जद्दोजहद जारी रहेगी, और उनकी आवाज़ हमें बार-बार यह याद दिलाती रहेगी कि शिक्षा तक पहुँच अभी भी सभी के लिए एक जैसा नहीं है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में 'राज उन्नति' की पहली बैठक

-प्रोएक्टिव एप्रोच से विकास कार्यों को दें गति - लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नति की प्रथम बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं और 2 योजनाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजनाओं एवं योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं पर अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए उन्हें राहत पहुंचाई। शर्मा ने जिला कलक्टर्स को निर्देश दिए कि आमजन की परिवेदनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनका समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। लंबित परिवादों के निस्तारण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजकीय विभागों और कार्यालयों में आमजन के कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवाबदेहिता के साथ विकास कार्यों को समय पर पूरा किया जाए। परियोजनाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही बरतने पर लापरवाह अधिकारियों और कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विभाग बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए परियोजनाओं को गति प्रदान करें, जिससे लागत में वृद्धि न हो और लक्षित को राहत मिल सके।

भू-आवंटन पर करें त्वरित कार्यवाही —
शर्मा ने जिला कलक्टर्स को विकास कार्यों में आवश्यक भू-आवंटन पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन के बाद शीघ्र निविदा जारी कर कार्य प्रारंभ किया जाए। जिन स्थानों पर न्यूनतम मापदंडों के अनुरूप भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां चरणबद्ध रूप से क्रियान्विति की जाए। उन्होंने जिला कलक्टर्स एवं सचिवों को प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ प्रकरणों के निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

पीएम सूर्यघर योजना में राजस्थान को बनाए सिरमौर—
मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्यघर 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित गति लाने के उद्देश्य से कैशलेस वैकल्पिक मॉडल पर शीघ्र कार्य करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग एवं जिला कलक्टर्स आईईसी गतिविधियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करें। शर्मा ने अधिकारियों को योजना में राजस्थान को सिरमौर बनाने के लिए निर्देशित किया।

खराब ट्रांसफार्मर्स को तय सीमा में बदलें —
शर्मा ने अधिकारियों को जले हुए और खराब ट्रांसफार्मर्स को निर्धारित समय में बदलने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष योग्यजन पेंशनर्स का वार्षिक सत्यापन शत प्रतिशत शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके लिए प्रशासन को आवश्यक होने पर दिव्यांगजनों के घर जाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने पालनहार योजना में पालनकर्ता एवं बच्चों के शत प्रतिशत वार्षिक सत्यापन सुनिश्चित करते हुए योजना में लंबित भुगतान को जारी करने के निर्देश भी दिए।

हीरापुरा बस टर्मिनल हो आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित —
मुख्यमंत्री ने जयपुर के हीरापुरा बस टर्मिनल में बस रूटों के निर्धारण और यात्रियों के लिए शेड, पेयजल, पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जयपुर जिला कलक्टर, जयपुर विकास आयुक्त एवं जयपुर नगर निगम आयुक्त को बस टर्मिनल से सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के क्रम में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि बस टर्मिनल से रोडवेज एवं लोक परिवहन बसों का संचालन प्रारंभ हो चुका है तथा टैफिक कंट्रोल बोर्ड द्वारा नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

अजमेर-चंदेरिया ब्रॉडगेज दोहरीकरण परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण हो शीघ्र पूर्ण —
शर्मा ने अजमेर-चंदेरिया ब्रॉडगेज दोहरीकरण परियोजना के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ जिलों में भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए।
मुख्यमंत्री ने श्रीगंगानगर, केसरीसिंहपुरा, श्रीकरणपुर, कोटा उत्तर, कोटा दक्षिण एवं सांगोद में सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट, 65 निकायों में फिकल स्लेज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी), लोहावट (फलोदी) में खेल स्टेडियम, लाडनूं में उप जिला चिकित्सालय, कोटा, अजमेर और भरतपुर जिलों में बालिका सैनिक स्कूलों की स्थापना की प्रगति की विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने जिला कलक्टर्स को पीएमश्री योजना के रैंकिंग के मापदंडों को पूरा करने के लिए प्रभावी योजना बनाने के लिए निर्देशित किया।

दिया कुमारी ने 'मेलोडी ऑफ कलर्स' प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

-जलरंगों में सजीं डॉ. सुषमा महाजन की 60 अनूठी कृतियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कला जगत में शनिवार (17 जनवरी) का दिन बेहद खास रहा जब प्रदेश की उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने जवाहर कला केंद्र की अलंकार आर्ट गैलरी में सुप्रसिद्ध जलरंग कलाकार डॉ. सुषमा महाजन के कला चित्रों से सुसज्जित तीन दिवसीय "मेलोडी ऑफ़ कलर्स" एकल प्रदर्शनी का भव्य उद्‌घाटन किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने यहां प्रदर्शित डॉ. सुषमा महाजन की 60 जलरंग कृतियों को निहारने और उनका बारीकी से अवलोकन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि "डॉ. सुषमा महाजन द्वारा तैयार ये कला कृतियां निश्चित ही उत्कृष्ट हैं, अद्‌त है। उन्होंने कहा कि "ये जलरंगों में साकार होती संवेदनाएं कल्पना से परे हैं" उपमुख्यमंत्री दिया ने उत्कृष्ट कला कृतियों से अत्यंत प्रभावित भाव से कहा "डॉ. सुषमा द्वारा ये जल रंग कृतियां

बहुत बारीकी से ऊकेरी गई हैं, जिनमें वाइब्रेन्ट रंग और उनकी कलात्मकता मानवीय संवेदनाओं का प्रतिनिधित्व कर रहें हैं।" दिया कुमारी ने कहा कि डॉ. सुषमा महाजन वास्तव में जल रंग कला कृतियों की सिद्धस्त कलाकार हैं, वे इस वाटर कलर आर्ट की मास्टर हैं। जल रंग में महारथ रखने वाली डॉ सुषमा की यह कला देश-प्रदेश और समूचे सृजन जगत में नायाब है, जो देश और दुनिया में राजस्थान की कला संस्कृति के परचम को फहरा रही है। उल्लेखनीय है कि इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी का अवलोकन 19 जनवरी तक कला प्रेमी प्रतिदिन प्रातः 11:00 बजे से सायं 7:30 बजे तक कर सकेंगे। इस प्रदर्शनी में लगभग 60 जलरंग कृतियां प्रदर्शित की गईं हैं। इनमें 22 नई कृतियां विशेष रूप से इस प्रदर्शनी के लिए तैयार की गई हैं। साथ ही, पेरिस, जयपुर और नई दिल्ली में पूर्व में प्रदर्शित चुनिंदा कृतियों को भी इसमें सम्मिलित किया गया।

राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का जयपुर पहुंचने पर भावभीना स्वागत

-वासुदेव देवनानी ने दुपट्टा पहनाकर किया स्वागत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (CSPOC) के बाद भ्रमण कार्यक्रम के लिए शनिवार को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल जयपुर पहुंचा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सभी अतिथियों का गरिमामय एवं पारंपरिक तरीके से जयपुर हवाई अड्डे पर स्वागत किया। देवनानी ने कहा कि यह राजस्थान के लिए गौरव का विषय है कि विश्व के विभिन्न देशों से आए संसदीय प्रतिनिधि हमारी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और अतिथि-सत्कार की परंपरा से रूबरू हो रहे हैं। राजस्थान की "अतिथि देवो भवः" की भावना के अनुरूप अतिथियों का स्वागत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधियों को राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थलों और परंपरागत लोक कला से परिचित कराने का यह अच्छा अवसर है। राज्य की विकास यात्रा, लोकतांत्रिक परंपराओं

और संसदीय मूल्यों पर भी सकारात्मक संवाद का यह अवसर है। देवनानी ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से वैश्विक पहचान और सशक्त होती है तथा पर्यटन, संस्कृति व अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर मिलते हैं। देवनानी ने बताया कि राज्य सरकार एवं प्रशासन द्वारा प्रतिनिधियों के स्वागत एवं उनके प्रवास हेतु व्यापक और सुव्यवस्थित तैयारियाँ विभिन्न पर्यटन स्थलों पर की गई हैं, ताकि उन्हें एक यादगार और सुखद अनुभव प्राप्त हो सके। इस मौके पर सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन, राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी सहित अधिकारी गण मौजूद थे। कांस्टीट्यूशन क्लब में सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि भोज- स्पीकर देवनानी ने बताया कि शनिवार को सायं कांस्टीट्यूशन क्लब में अतिथियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि भोज का आयोजन किया होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय नृत्य और राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। रात्रि भोज में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यपाल हरिभाउ बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष, मंत्रिमंडल के सदस्य, मुख्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे।

समाज के सर्वांगीण विकास के लिए बालिका शिक्षा जरूरी – डॉ. हरसहाय मीणा

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सेवापुरा, ब्लॉक बस्सी में भामाशाहों द्वारा स्टूडेंट्स को स्वेटर, शूज और बैग वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. हरसहाय मीणा IAS, अध्यक्षता सुनीता श्रीमाली, विशिष्ट अतिथि बृजमोहन शर्मा, पुष्पेंद्र मीणा, प्रधानाध्यापक पन्ना लाल मीणा, भामाशाह बहादुर सिंह, कल्याण मीणा अध्यापक,मूलचंद मीणा तिरुपति प्रॉपर्टीज द्वारा विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को स्वेटर, शूज और बैग का वितरण किया गया। प्रधानाध्यापक पन्ना लाल मीणा और ग्रामवासी लक्ष्मीनारायण गुर्जर, श्रवण बैरवा, कृष्ण बैरवा, गणपत माली ओर समस्त ग्रामवासियों ने भामाशाहों को धन्यवाद दिया। डॉ. हरसहाय मीणा द्वारा स्टूडेंट्स को बताया कि में भी सरकारी विद्यालय में पढ़कर ही RAS बना हूं और अब पदोन्नति लेकर आईएएस बना हूँ, आपको भी मेहनत से पढ़ाई कर राजकीय सेवा में जाने का प्रयास करना है। उन्होंने बालिका शिक्षा पर भी जोर देकर कहा कि बालिकाओं को उच्च शिक्षा से पहले ही पढाई छोड़नी पड़ती हैं, उपस्थित सभी अभिभावकों को इस बात की शपथ दिलवाई कि हम हमारी बालिकाओं को उच्च शिक्षा दिलवाएंगे छात्र-छात्राओं लक्ष्य तय करके उसको प्राप्त करने के लिए सतत मेहनत करने, देश प्रेम, प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

सहकारी समितियों को आर्थिक सशक्त एवं लाभांश देने लायक बनाने की आवश्यकता - सहकारिता मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि निरीक्षक सहकारिता विभाग की रीढ़ हैं, वे अपनी भूमिका को और विस्तार देते हुए सहकारी समितियों के संरक्षक और मार्गदर्शक बनें। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सहकारी समितियों को वर्तमान समय के अनुरूप सशक्त, सक्षम एवं प्रतिस्पर्धी बनाना होगा।
दक शनिवार को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में एसोसिएशन ऑफ राजस्थान को-ऑपरेटिव सबोर्डिनेट सर्विसेज (ARCSS) द्वारा आयोजित 'सहकार संगम-2026' कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में सहकारिता क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विशेष रूप से रोजगार सृजन में सहकारिता क्षेत्र बड़ी भूमिका निभा सकता है। माननीय प्रधानमंत्री की इस मंशा को साकार करने के लिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना होगा।
सहकारिता मंत्री ने कहा कि आर्थिक युग का प्रभाव विगत वर्षों में सहकारी संस्थाओं पर पड़ा, जिससे वे आर्थिक रूप से कमजोर हो गई। लेकिन अब माननीय प्रधानमंत्री माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना के अनुरूप एवं केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत लगभग 120 पहलों के माध्यम से सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाया जा रहा है। सरकार सहकारी क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए हर संभव सहयोग कर रही है। सहकारी समितियों के माध्यम से अब

पेट्रोल पम्प तक का संचालन किया जा सकता है। राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। ऐसे में हम सबकी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम सहकारी समितियों को आर्थिक सशक्त और लाभांश देने लायक बनाएं। दक ने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं की रोकथाम के लिए सहकारी निरीक्षक निरन्तर सजग रहते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग करें। कार्यक्रम में एसोसिएशन ऑफ राजस्थान को-ऑपरेटिव सबोर्डिनेट सर्विसेज की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा चौधरी ने कहा कि राज्य में 600 से अधिक सहकारी निरीक्षक अपनी जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए सरकार की मंशा के अनुरूप सहकारिता को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकार संगम कार्यक्रम इस वृहद् परिवार के लिए संवाद का एक मंच है, जिसके माध्यम से वे अपनी आपसी समझ को बढ़ाते हुए और एक-दूसरे के अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे। प्रारम्भ में सहकारिता मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारम्भ किया। उन्होंने राजकीय सेवा से इतर सामाजिक सरोकार निभाने वाले निरीक्षकों को सहकार रत्न पुरस्कार प्रदान किए।

मुख्य सचिव ने किया 'मेलोडी ऑफ कलर्स' का अवलोकन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में सुप्रसिद्ध जलरंग कलाकार डॉ. सुषमा महाजन की एकल प्रदर्शनी 'मेलोडी ऑफ़ कलर्स' का अवलोकन कर प्रदर्शित की गई कलाकृतियों की सराहना की। 17 से 19 जनवरी तक आयोजित की जा रही इस प्रदर्शनी में लगभग 60 जलरंग कृतियां प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें से 22 नई कृतियां विशेष रूप से इस प्रदर्शनी के लिए तैयार की गई हैं। साथ ही, पेरिस, जयपुर और नई दिल्ली में पूर्व में प्रदर्शित चुनिंदा कृतियों को भी इसमें सम्मिलित किया गया है। डॉ. महाजन की कृतियों में मंदिर कला, पशु-पक्षी, स्थापत्य, पुष्प, लैंडस्केप, विंटेज रचनाएं और स्थिर जीवन (स्टिल लाइफ) प्रमुख हैं। उनके हालिया कार्यों में होयसला और चोल स्थापत्य शैलियों से प्रेरित मंदिर संरचनाओं का विशेष स्थान है, जिनमें संरचना, लय और संतुलन का गहन चिंतन दिखाई देता है। उनकी पेंटिंग्स को उनके संतुलित रंग संयोजन, सूक्ष्म विवरण और शांत भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए सराहा जाता है।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की गाइडलाइन जारी

-10 लाख रुपये तक मिलेगा ब्याज मुक्त ऋण—एक लाख युवाओं को उद्यमी बनाने का लक्ष्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 12 जनवरी को राज्यस्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया गया। इसके बाद उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने इस योजना की गाइडलाइन जारी कर दी है। जल्द ही आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के एक लाख युवाओं को उद्यमी बनाना है। विनिर्माण, सेवा एवं व्यापार सेक्टर में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना तहत राज्य सरकार द्वारा शत प्रतिशत ब्याज का पुनर्भरण किया जाएगा। साथ ही, 50 हजार

रुपये तक की मार्जिन मनी और सीजीटीएमएसई शुल्क (सूक्ष्म और लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट शुल्क) के पुनर्भरण का भी प्रावधान किया गया है। कर्नल राठौड़ ने बताया कि 8वीं से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 3.5 लाख रुपये एवं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 7.5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, अधिकतम 35 हजार रुपये की मार्जिन मनी भी दी जाएगी। स्नातक, आईटीआई और अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 5 लाख रुपये तथा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, 50 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी भी दी जाएगी।
वर्जन
राज्य सरकार बड़े निवेश के साथ-साथ प्रदेश के युवाओं को भी उद्योगों से जोड़ने के लिए योजनाएं और नीतियां बना रही है। इसी क्रम में लागू की गई मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से प्रदेश के युवा स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकेंगे। इससे भविष्य में लाखों और लोगों के लिए भी रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

आमेर महल की भव्यता ने मोहा राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का मन, शीश महल की कारीगरी से हुए अभिभूत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रमंडल देशों के 40 देशों से आए 120 सदस्यीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार को दो दिवसीय प्रवास पर जयपुर पहुंचा। जयपुर भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविख्यात आमेर महल का भ्रमण किया, जहां इसकी दिव्य, ऐतिहासिक और भव्य छटा ने सभी प्रतिनिधियों को अभिभूत कर दिया। आमेर महल पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का पारंपरिक राजस्थानी रीति-रिवाजों से भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। लोक वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि, पारंपरिक आतिथ्य और राजस्थानी संस्कृति की जीवंत झलक ने विदेशी मेहमानों को विशेष रूप से आकर्षित किया। इसके पश्चात उच्च प्रशिक्षित एवं अनुभवी पर्यटक गाइड द्वारा प्रतिनिधिमंडल को आमेर महल के गौरवशाली इतिहास, राजपूतकालीन स्थापत्य कला तथा सांस्कृतिक महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, 27 कचहरी, गणेश पोल, मुगल गार्डन एवं मान सिंह महल सहित आमेर दुर्ग के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य विशेष रूप से शीश महल की अद्वितीय कारीगरी से अत्यंत प्रभावित नजर आए। शीश महल

से मावठा सरोवर एवं केसर क्यारी बाग का मनोरम दृश्य देखकर प्रतिनिधि मंत्रमुग्ध हो गए और राजस्थान की समृद्ध स्थापत्य एवं शिल्प परंपरा की मुक्तकंठ से सराहना की। कई प्रतिनिधियों ने आमेर महल को भारत की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उल्लेखनीय है कि यह संसदीय प्रतिनिधिमंडल 17 एवं 18 जनवरी को जयपुर प्रवास पर है। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रमंडल देशों की विभिन्न विधायिकाओं के अध्यक्ष, सदस्य तथा उच्च स्तरीय संसदीय अधिकारी शामिल हैं। जयपुर आगमन पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा किया गया। जयपुर प्रवास के दौरान प्रतिनिधिमंडल द्वारा शहर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक विशेषताओं से जुड़े अन्य स्थलों के भ्रमण का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिससे राजस्थान की गौरवशाली परंपरा और विकासशील दृष्टिकोण से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि और अधिक परिचित हो सकेंगे।

प्री बजट बैठक - लोगों की जरूरत और क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता दें - उपमुख्यमंत्री

-दिया कुमारी विकसित राजस्थान डॉक्यूमेंट के अनुरूप प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि सड़क, पुल तथा भवन आदि के जो प्रस्ताव आगामी बजट के लिए तैयार किए जा रहे हैं, उनमें संबंधित अधिकारी लोगों की जरूरत और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दें। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग मुख्यालय में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी बजट को ध्यान में रखते हुए विभागीय तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट से पूर्व सभी प्रस्तावों पर गहन समीक्षा एवं आवश्यक अभ्यास करें। उन्होंने कहा कि आमजन के लिए अत्यंत आवश्यक तथा संबंधित क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने वाली सड़क परियोजनाओं को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि आगामी बजट के लिए सड़कों, पुलों एवं भवनों से जुड़े कार्यों का चयन जनहित, क्षेत्रीय आवश्यकता, यातायात सुविधा एवं सुरक्षा तथा दीर्घकालीन उपयोगिता को ध्यान में रखकर किया जाए। उन्होंने ऐसे प्रस्ताव तैयार करने पर जोर दिया जो विकसित राजस्थान डॉक्यूमेंट के अनुरूप

हो, ताकि विकसित राजस्थान के लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल किया जा सके।

व्यावहारिक रूप से समय पर पूर्ण होने वाले प्रस्ताव तैयार करने पर जोर —
उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी प्रस्ताव तकनीकी रूप से सुदृढ, वित्तीय रूप से व्यावहारिक एवं समयबद्ध क्रियान्वयन योग्य हों, ताकि बजट स्वीकृति के पश्चात कार्यों को शीघ्र धरातल पर उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाये की प्रस्तावित सड़क परियोजना वन क्षेत्र,रिहायशी क्षेत्र अथवा अन्य किसी कारण से लंबित एवं बाधित न हो।

तीन दिन फील्ड विजिट के निर्देश —
उपमुख्यमंत्री ने जनता एवं क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप बजट घोषणाओं के लिए अधिकारियों को आगामी तीन दिन तक फील्ड विजिट के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि जिलों में पदस्थापित अधिकारी फील्ड में जाकर यह सुनिश्चत करें कि कौनसी सड़क परियोजना उस क्षेत्र के यातायात को सुगम बनाने एवं लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा करते हुए प्रदेश में चल रही परियोजनाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही, एनएच, एनएचएआई, आरएसएचए, सीआईआरएफ, रिडकोर, पीएएमजीएसवाई तथा राज्य सड़कों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की।
बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अजमेर संभाग की बैठक सम्पन्न

-प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती का हुआ भव्य स्वागत

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, अजमेर संभाग अल्पसंख्यक स्नेह संवाद कार्यक्रम बैठक भाजपा कार्यालय,अजमेर में आयोजित की गई। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पुनः प्रदेशाध्यक्ष बनने के पश्चात हमीद खान मेवाती के अजमेर आगमन पर यह बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने अजमेर संभाग के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बैठक को संबोधित करते हुए मेवाती ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास" की रीति-नीति पर कार्य करती है। उन्होंने कहा कि आगामी पंचायत राज चुनावों में अधिक से अधिक अल्पसंख्यक समाज को भाजपा से जोड़कर संगठन को मजबूत किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत राज चुनावों में अल्पसंख्यक समाज को अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व दिलाने हेतु पार्टी से टिकट दिए जाने की मांग को संगठन के माध्यम से मजबूती से रखा जाएगा। अजमेर आगमन पर घूघरा स्थित कार्यालय पर अजमेर देहात के सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व जिलाध्यक्ष गुलाम मुस्तफा के नेतृत्व में मेवाती का भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात भाजपा कार्यालय, अजमेर में शहर अध्यक्ष शफीक खान के नेतृत्व में 51 किलो की पुष्पमाला एवं साफा पहनाकर उनका भव्य अभिनंदन किया गया।

इसके बाद दिल्ली गेट पर अमान खान के नेतृत्व में माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मेवाती दरगाह शरीफ जियारत हेतु पहुंचे, जहां पूर्व वक्फ बोर्ड चेयरमैन अतीक अहमद खान के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके उपरांत मेवाती ने भाजपा पदाधिकारियों के साथ आस्ताना शरीफ में चादर एवं फूल पेश कर देश में अमन-चैन, भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखने की दुआ की। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष अय्यूब खान, जंग बहादुर पठान, प्रदेश मंत्री कासिम राठोड़, विकार खान, हमीद शेख, जावेद खान, सह-संयोजक नवाब कुरैशी, शाहुल हमीद, रज्जाक खान, अय्यूब ऊटड़ा, बहादुर खान ऊटड़ा, जमील कुरैशी सहित अजमेर संभाग के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों में श्रमिकों से संवाद किया - मुस्ताक खान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा क्षेत्र में मुस्ताक खान प्रदेश सचिव के नेतृत्व में सिरसला ग्राम पंचायत व लोहसना पंचायत में मनरेगा के तहत चल रहे कार्य में मनरेगा श्रमिकों से संवाद किया गया। इस अवसर पर मुस्ताक खान ने कहा कि मनरेगा कानून में संशोधन कर उसे बंद करने का प्रयास किसी भी सुरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। श्रमिकों का मानदेय चार सौ रुपए से अधिक होना चाहिए और सरकार को अल्पाहार शुरू करना चाहिए। रामनिवास सहारण पूर्व कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीणों की उपस्थित

को डिजिटाइजेशन किसी भी सुरत में स्वीकार्य नहीं होगा। इस अवसर पर पुरुषोत्तम बिजारणियां निवर्तमान पंचायत समिति सदस्य, पार्षद अंजनी शर्मा, महेश ढूकिया यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव, सुरेश फोगावट पंचायती राज तहसील अध्यक्ष, बनवारी भाकर कांग्रेस नेता, फरमान खान छात्र नेता, रणजीत सहारण, रामलाल फोगावट, फूलाराम फोगावट, प्रवीण मुहाल, याकूब मनियार आदि रहे।

पंचायती राज संगठन ने ब्लॉक प्रभारियों की नियुक्ति

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, पाली के जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत जिले के विभिन्न ब्लॉकों में प्रभारियों की नियुक्ति की है। जागरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा रोजगार गारंटी योजना का नाम बदलकर इसे विभागीय योजना के रूप में लागू किया गया है, जिससे यह योजना कमजोर हुई है और मजदूरों के अधिकारों का हनन हुआ है। इसके विरोध में तथा ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिको को वास्तविक स्थिति से अवगत कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। जागरवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम आगामी 28 जनवरी 2025 तक गांव-ढाणी एवं नरेगा कार्य स्थलों पर संचालित किया जाएगा। इसके लिए पंचायती राज संगठन जिला पाली द्वारा प्रत्येक ब्लॉक में प्रभारियों की नियुक्ति की गई है, जो ब्लॉक अध्यक्ष एवं

समन्वयकों के साथ नरेगा कार्य स्थलों पर जाकर श्रमिकों से संवाद करेंगे और उन्हें सच्चाई से अवगत कराएंगे।

ब्लॉकवार नियुक्त प्रभारी इस प्रकार हैं—

रोहट ब्लॉक: कालू सिंह चारण (गढ़वाड़ा) एवं लुंबाराम पटेल (जैतपुर) पाली देहात ब्लॉक: ओगड़ राम लुहार प्रकाश गुरलाई, सुमेरपुर ब्लॉक: इंद्रजीत सिंह अहुवालिया, सुरेन्द्र सिंह देवड़ा बड़ली, सोजत ब्लॉक: शंकर लाल बामणिया, रामचंद्र चौधरी राजोला, देसूरी ब्लॉक: दिनेश आदिवाल, प्रवीण मेघवाल, काना दुदापुरा, बाली ब्लॉक: अमर सिंह पवार घाणेराव चिमनसिंह पंचायत समिति सदस्य एवं पूर्व सरपंच चामुंडेरी, रानी ब्लॉक: ज्ञान सिंह राजपुरोहित (पुनाडिया) हरीश कुमार खटीक रानी गांव, मारवाड़ ब्लॉक: घीसाराम सिरवी (बारसा), दीपक शर्मा, रायपुर ब्लॉक: श्री धर्माराम प्रजापत देवली, सुरेन्द्र गौड़ को प्रभारी नियुक्त किया। जागरवाल ने कहा कि यह अभियान मजदूरों के अधिकारों की रक्षा और मनरेगा को कमजोर करने वाली नीतियों के खिलाफ जनजागरण के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

किसान केसरी बलदेवराम मिर्धा की जयंती पर की पुष्पांजलि

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर में किसान केसरी बलदेवराम मिर्धा की 137वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को कलेक्ट्रेट निवास के समीप स्थित उनकी प्रतिमा पर भव्य पुष्पांजलि कार्यक्रम और विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मिर्धा की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने बलदेवराम मिर्धा के जीवन संघर्ष और किसान समाज के उत्थान में उनके द्वारा दिए गए अतुलनीय योगदान को विस्तार से रेखांकित किया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक भीमराज भाटी ने कहा कि बलदेवराम मिर्धा केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचारधारा थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन किसानों के हक और न्याय की लड़ाई में समर्पित कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि मिर्धा हमेशा किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे और उन्होंने उस दौर

में किसान कौम के बीच शिक्षा की अलख जगाई जब समाज में संसाधनों का अभाव था। विधायक ने उनके बताए गए मार्गों पर चलने और शिक्षित समाज के निर्माण का आह्वान किया। विचार गोष्ठी के दौरान किसान समाज के लिए उनके द्वारा किए गए सुधारों पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने बताया कि किस प्रकार मिर्धा ने किसानों को संगठित कर उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान महंत सूरजनदास के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में जिला परिषद के सीईओ मुकेश चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी और महेंद्र बोहरा सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भी अपने विचार साझा किए। इस गरिमामयी आयोजन में प्रवीण कोठारी, पुखराज पटेल, पिराराम पटेल, हकीम भाई,भंवर चौधरी भंवर राव, मांगूसिंह दुदावत, गौरधन देवासी, मोहन जाट, राजेंद्र जांगू, कालूराम कालीराना और मेहराम रोज, सुनील बाना,थानाराम सहित बड़ी संख्या में किसान समाज के प्रतिनिधियों ने उपस्थित रहकर अपने जननायक को याद किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण 'मिर्धा अमर रहे' के नारों से गुंजायमान रहा और अंत में सभी ने उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

रफीक मंडेलिया ने मतदाता पूर्ण निरीक्षण प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में रफीक मंडेलिया ने एसआईआर की गडबडी व अनियमितताओं को लेकर चर्चा की गई तथा कार्यकर्ताओं से सजग रहने का आह्वान किया गया। रफीक मंडेलिया ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने दावे व आपत्तिया दाखिल करने की तिथि 15 से बढाकर 19 जनवरी कर दी है। जिस तरह से भाजपा पार्टी द्वारा अधिकृत बीएलए द्वारा मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में बिना किसी ठोस कारण एवं विवरण के बडी संख्या में फॉर्म-7 जमा किए जा रहे है दावे व आपत्तिया दाखिल करने की तिथि बढने के कारण यह संख्या और अधिक हो सकती है इसलिए समस्त पार्टी के बीएलए व कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सजग रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर पीसीसी सचिव रियाजत खां, चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, आशाराम सैनी, मो. हुसैन निर्बाण, रमजान खान, अबरार खां, सोहनलाल मेघवाल, रामप्रताप काटिवाल, अली मो. भाटी, असलम खां मोयल, अजीज दिलावरखानी, विमल शर्मा, आरिफ रिसालदार, शिवकुमार शर्मा, ताराचंद बाठिया, हेमन्त सिहाग, अनिस खान, विनोद खटीक, तोफिक खान, समीउल्लाह, अनिस खां पार्षद, सुरेश फोगावट, दीपिका सोनी, नवाब खां, सुशील स्वामी, कुरडाराम भाकर आदि मौजुद रहें।

हजरत मीरुशाह रहमतुल्ला अलैह का 108 वां उर्स, कुल की रस्म के साथ संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर ईदगाह मोहल्ले में दरगाह हजरत मिरूशाह रहमतुल्ला अलैह का 108 वां उर्स बड़ी अकिदत के साथ मनाया गया दरगाह के सज्जादा नशीन हजरत गुलामनबी खान ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी काफी संख्या में सर्व समाज के लोगों ने जियारत की और चादर चढ़ा कर दुआएं मांगी दिन में कवालो द्वारा कव्वाली का आयोजन हुआ फिर लंगर खोला गया। और उर्स के मौके पर दरगाह परिसर में मस्जिद में मौलाना अनीस रज्जा ने तकरीर की और कहा कि औलिया अल्लाह और सूफी संतों की दरगाह एक पवित्र पुण्य स्थान होता है बुजुर्ग की मजार पर बनाया जाता है। दरगाह शब्द फारसी भाषा से है इसका अर्थ दरबार या निवास स्थान होता है सूफी संतों की दरगाहों पर शांति सुकून और रूहानी सुकून का केंद्र होता है यहां पर दुआएं मन्नत पूरी होती हैं सांप्रदायिक सद्भाव सूफी संतों की दरगाहों पर देखने को मिलता है जिसे हम हिंदू मुस्लिम एकता और गंगा जमुनी तहजीब का प्रतीक मानते हैं लोग यहां पर श्रद्धा के साथ आते हैं और दुआएं मांगते हैं उर्स के मौके पर मिलाद और कव्वालियों का आयोजन होता है दरगाह पर मन्नत मांग कर चादर चढ़ाई जाती है और दुआएं मांगी जाती हैं यहां पर लंगर भी लगता है। औलिया, सूफी, संतों ने कहा पांच वक्त की नमाज़ पढ़े और अल्लाह की इबादत करें। उर्स के मौके पर दरगाह इज्जतुल्लाह शाह बगड़ के गद्दी नसीन पीर दीन मोहम्मद, शहर काजी अहमद अली शाह, मौलाना अनीस रज्जा, रिजवान खान, इमरान खान, इनायत खा, सत्तार खान, जाकिर हुसैन झारीयेवाला, रफीक चौहान, इलियास खान एवं काफी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की। बाद नमाज जोहर के कुल की रस्म के साथ उर्स संपन्न हुआ। सलातो सलाम पढ़कर दुआएं मांगी गई।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पानी चोरी की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में कृषि सहायक निदेशक द्वारा जिले में फसल बीमा कार्यों की विस्तृत प्रगति से अवगत करवाया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार खरीफ 2023 में भादरा व नोहर तहसील की क्रमशः 33 एवं 30 फसल युग्मों (कुल 63 बीमा इकाइयों—पटवार मंडल) के बीमा क्लेम पर फसल बीमा कंपनी द्वारा दर्ज आपत्तियों का पूर्ण निस्तारण कर दिया गया है। इससे जिले को 98.92 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बीमा क्लेम प्राप्त हुआ है। इस प्रकार खरीफ 2023 में जिले के पात्र किसानों हेतु कुल 274.30 करोड़ रुपये का बीमा क्लेम निर्धारित हुआ है। बैठक में बताया गया कि रबी 2021-22 से रबी 2022-23 तक के फसल बीमा बाउंस क्लेम के 3037 प्रकरणों की सूची बीमा कंपनी एआईसी द्वारा दिसंबर 2025 में जिला स्तर पर उपलब्ध करवाई गई थी। 2 से 5 जनवरी 2026 तक जिले की सभी तहसीलों में विशेष कैंप आयोजित कर 2066 प्रकरणों

का निस्तारण किया गया। किसानों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर आवेदन एआईसी को भेज दिए गए हैं। इन प्रकरणों के भुगतान को बीमा कंपनी के माध्यम से शीघ्र करवाने की कार्यवाही प्रगति पर है। जिला कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को बकाया फसल बीमा क्लेम खरीफ 2023 के लगभग 99 करोड़ रुपए को 7 दिवस में किसानों को भुगतान करने के निर्देश दिए। विभाग के अधिकारियों ने 20 से 25 जनवरी तक किसानों के खाते में भुगतान करवाने का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त विशेष कैंपों के माध्यम से 2066 किसानों के खातों की री—केवाईसी करवा कर उन्हें भी भुगतान करवाने के निर्देश दिए गए। किसानों की अन्य समस्याओं का भी प्राथमिकताओं से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करने हैं, उनके द्वारा किए जा रहे नवाचारों से अन्य सभी किसानों को भी लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए।

महवा उपखंड के पीएम श्री राबाउमा विद्यालय में स्किल एग्जिबिशन कम कंपटीशन-कौशल प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान - महवा उपखंड के पीएम श्री राबाउमा विद्यालय में शनिवार को व्यवसायिक शिक्षा में बीएफएसआई ट्रेड के तहत स्किल एग्जिबिशन कम कंपटीशन-कौशल प्रदर्शनी प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सेवानिवृत मुख्य प्रबंधक गोपाल प्रसाद शर्मा, शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त उपनिदेशक प्रेमवती शर्मा, महवा के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश मीना व एसडीएमसी सदस्य दिनेश बंसल ने भाग लिया। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात विद्यालय द्वारा भी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। बैंकिंग ट्रेड से संबंधित सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक गोपाल प्रसाद शर्मा ने कहा कि छात्राएं बैंकिंग के क्षेत्र में भी अपना करियर चुन सकती हैं। उन्होंने बैंक संबंधी डिजिटल अरेस्ट व बैंक के राष्ट्रीयकरण सहित विभिन्न प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। साथ ही उन्होंने मॉडल प्रदर्शनी प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त

करने वाली छात्राओं का चयन किया। इसमें प्रथम स्थान पर छात्रा संजना महावर, द्वितीय स्थान पर प्रियंका कश्यप, प्रियंका सेन व तृतीय स्थान पर पूजा बैरवा रही। इस कौशल प्रदर्शनी प्रतियोगिता में विद्यालय की दर्जनों प्रतिभागी छात्राओं ने क्रियाशील मॉडल बनाकर अपने कौशल को प्रदर्शित किया। प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं सहित सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह व शिक्षण सामग्री देकर सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त उपनिदेशक प्रेमवती शर्मा ने छात्राओं को बोर्ड परीक्षाओं में कम समय में भी प्रथम स्थान प्राप्त करने की टिप्स बताई। उनके द्वारा बोर्ड परीक्षा तैयारी टिप्स पुस्तिका का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाया गया जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन में प्रथम स्थान पर छात्रा दिव्यांशी सोनी, कनिका सेन, द्वितीय पर खुशी खंडेलवाल तृतीय स्थान पर किरण जांगिड़ रही। साथ ही पीएम श्री विद्यालय योजना अंतर्गत कक्षा 1 से 5 तक के 107 विद्यार्थियों को कलाकिट वितरित की गई। जिसमें बैग सहित कई तरह की शिक्षण सामग्री शामिल थी। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य हनुमान प्रसाद मीना ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। मंच का संचालन विद्यालय के श्याम सुन्दर गुर्जर द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के विनीता गुप्ता, कमल सिंह मीना, समशाद बेगम, कमलेश शर्मा, साधना शर्मा, विक्रम सिंह मीना, आशा गुप्ता, चेतन गोयल सहित सैंकड़ों छात्राएं मौजूद थी।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय सिकरोदा मीना में बच्चों के लिए जर्सी वितरण कार्यक्रम आयोजित

हनीस शेख

सिकरोदा मीना (रॉयल पत्रिका)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय सिकरोदा मीना में शनिवार को एक सराहनीय सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 4 एवं 5 के लगभग 60 से 70 बच्चों को जर्सी वितरित की गई। यह आयोजन सेवानिवृत्त शिक्षिका संतोष मैडम और बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर समिति, सिकरोदा मीना के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना रहा। जर्सी प्राप्त कर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला और विद्यालय परिसर सकारात्मक माहौल से भर गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से मगन प्रजापत, जम्मू-कश्मीर से सुरेश मीणा और अलवर से मनीष जाटव SDM ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। वहीं जयपुर से कार्यक्रम से जुड़े प्रतिनिधि भी ऑनलाइन उपस्थित रहे और बच्चों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र के अनेक लोग उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में समूह के सदस्यों

की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनमें उदय जाटव (पूर्व सरपंच प्रत्याशी), मदन मोहन जाटव, लखन जाटव, रामनिवास जाटव, रमेश मीणा और चरण सिंह मीणा शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश दिया गया कि बच्चों का भविष्य शिक्षा और समाज के सहयोग से ही मजबूत बन सकता है। इस प्रकार के आयोजन ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। विद्यालय प्रशासन और ग्रामीणों की ओर से सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की उम्मीद जताई गई।

रामदुलारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की छात्राध्यापिकाओं का शैक्षणिक भ्रमण दल रवाना

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव और सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रामदुलारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की छात्राध्यापिकाओं का शैक्षणिक भ्रमण दल शनिवार को रवाना हुआ। शहर के चौपड़ सर्किल से भ्रमण दल के वाहनों को अतिथियों द्वारा विधिवत झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रामदुलारी कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी लियाकत अली ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय की छात्राध्यापिकाएं सात दिवसीय एस यू पी डब्ल्यू (SUPW) कैम्प के अंतर्गत शैक्षणिक भ्रमण पर जा रही हैं। यह भ्रमण शनिवार, 17 जनवरी को सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर प्रारंभ हुआ। उन्होंने बताया कि भ्रमण दल को पूर्व उपसभापति नफीस अहमद, राष्ट्रीय शिक्षा परिषद के सदस्य डॉ. सुनील अग्रवाल तथा ब्राह्मण समाज अध्यक्ष वासुदेव शर्मा द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अतिथियों ने छात्राध्यापिकाओं को शैक्षणिक भ्रमण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अनुशासन और सीखने की भावना के साथ यात्रा पूर्ण करने का संदेश

दिया। इस अवसर पर समाजसेवी मंजीत मुद्गल, डॉ. अभिजीत शर्मा, धर्मेंद्र तिवारी, डॉ. अभिषेक शर्मा, विनोद कुमार मीणा, विक्रम शर्मा, मुंशी खान, मंसूर खान सहित रामदुलारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का स्टाफ भी उपस्थित रहा। सभी ने छात्राध्यापिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस शैक्षणिक भ्रमण से छात्राध्यापिकाओं को शैक्षणिक, सामाजिक एवं व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा, जो उनके भविष्य के शिक्षण कार्य में सहायक सिद्ध होगा।

मतदाता पूर्ण निरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के निर्देशानुसार चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में जिला निर्वाचन अधिकारी चूरू व निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी विधानसभा चूरू को मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में बिना किसी ठोस कारण एवं विवरण के बडी संख्या में फॉर्म-7 जमा किए जाने के संबंध में त्वरित हस्तक्षेप हेतु अनुरोध तथा जमा किए गए फॉर्म-6,7 एवं 8 की संकलित सूची उपलब्ध कराने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि राजस्थान प्रदेश में मतदाता पुनरीक्षण की प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित की जा रही है। 12 दिसम्बर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा चुका है तथा दावे एवं आपतियॉ दर्ज कराने की अवधि दिनांक 12 दिसम्बर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई थी। नियमानुसार इलेक्ट्रोल मेन्यूअल 2023 के पैरा संख्या 11.3.2 (2) के अनुसार ब्लक आवेदन प्राप्त नही किये जा सकते

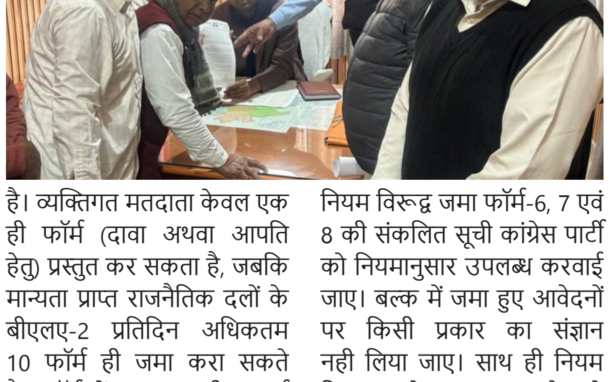

है। व्यक्तिगत मतदाता केवल एक ही फॉर्म (दावा अथवा आपति हेतु) प्रस्तुत कर सकता है, जबकि मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के बीएलए-2 प्रतिदिन अधिकतम 10 फॉर्म ही जमा करा सकते है। फॉर्म में मतदाता की सम्पूर्ण जानकारी उसका मोबाईल नम्बर साक्ष्य अंडरटेकिंग संलग्न होना आवश्यक है। जानकारी प्राप्त हुई है कि एसडीएम कार्यालय में नियमों के विरूद्ध एक राजनैतिक दल के कार्यकर्ताओं द्वारा बल्क में एक ही दिन में सैकडों से लेकर हजारों की संख्या में फॉर्म 7 एवं फॉर्म 6 प्रस्तुत किए गए है, जो कि स्पष्ट रूप से निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उल्लंघन है तथा ऐसे आवेदनों पर किसी भी प्रकार का संज्ञान नही लिया जाए। ऐसे सभी नियम विरूद्ध जमा फॉर्म-6, 7 एवं 8 की संकलित सूची कांग्रेस पार्टी को नियमानुसार उपलब्ध करवाई जाए। बल्क में जमा हुए आवेदनों पर किसी प्रकार का संज्ञान नही लिया जाए। साथ ही नियम विरूद्व आवेदन प्रस्तुत करने वाले व्यक्तियों के विरूद्व प्राथमिकी दर्ज कराकर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर पीसीसी सचिव रियाजत खां, चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, मो. हुसैन निर्बाण, रमजान खान, अबरार खां, असलम खां मोयल, अजीज दिलावरखानी, विमल शर्मा, आरिफ रिसालदार, शिवकुमार शर्मा आदि मौजुद रहें।

विरासत और संस्कृति की धरा पाली में होगा धर्म का विश्व विराट आयोजन

- नौ दिवसीय 9 कुंडीय श्री महालक्ष्मी यज्ञ पूजा साधना और श्री भैरव पुराण महाकथा का ऐतिहासिक आयोजन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के मारवाड़ की शान, वीरता की विरासत से समृद्ध और संस्कृति की पहचान, पावन नगरी पाली में पहली बार एक ऐसा विश्व विराट धर्म, साधना, तप, पूजा का नौ दिवसीय महामहोत्सव आयोजित होने जा रहा है जो अपने आप में अनूठा, अद्भुत और अद्वितीय होगा। विश्वविख्यात अध्यात्म गुरू, परमहंस परिव्राजकाचार्य, अनन्त श्री विभूषित, कृष्णगिरी पीठाधीश्वर पूज्यपाद 1008 जगद्रु श्री आचार्य वसंत विजयानन्द गिरीजी महाराज के सानिध्य में सनातन संस्कृति की पुरातन सिद्ध परम्परा के अलौकिक दर्शन का सौभाग्य मारवाड़ के जनमानस को प्राप्त होने जा रहा है। पाली के अणुव्रत नगर ग्राउंड में 24 जनवरी 2026 शनिवार से 1 फरवरी 2026 रविवार तक दिव्यतम श्री महालक्ष्मी महायज्ञ एवं भैरव पुराण महाकथा व साधना पूजा का यह विराट महोत्सव पूज्यपाद, जगद्रु श्री वसंत विजयानन्द गिरी की पावन निश्रा में होगा। श्री पार्श्व पद्मावती सेवा ट्रस्ट कृष्णगिरी तमिलनाडु द्वारा भारतीय धर्म संस्कृति की ख्याति फैलाने और जनकल्याण के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है।

पूज्यपाद गुरुदेव के नाम कई विश्वरिकार्ड और सम्मान-

कृष्णगिरी पीठाधीश्वर पूज्यपाद जगद्रु श्री वसंत विजयानन्द गिरी महाराज द्वारा देश ही नहीं अपितु विश्व में भारत की पुरातन सिद्ध परम्परा, सभ्यता और संस्कृति की पताका फहराई है और इस दिशा में वे सतत अग्रसर हैं। गुरुदेव द्वारा स्थापित श्री पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ कृष्णगिरी तीर्थ में जनकल्याण के लिए कई विराट महोत्सवों का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा देशभर में भव्यतम अनुष्ठान किये जाते हैं। इन आयोजनों की भव्यता और प्रमाणिकता के कारण परम् पूज्य गुरुदेव का नाम 9 बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में और 600 से अधिक बार विभिन्न विश्व रिकॉर्ड्स में दर्ज है जो अपने आप में उपलब्धियों का भी विश्वरिकार्ड है। यही नहीं पूज्यपाद जगद्रू देव श्री वसंत विजयानन्द गिरी महाराज को भारत ही नहीं विश्व के कई देशों ने विभिन्न अलंकरण और सम्मान प्रदान किये हैं। पूज्य जगद्रू श्री वसंत विजयानन्द गिरी महाराज को शांति व सुरक्षा हेतु अंतर्राष्ट्रीय संसद ने 'भारत के अधिकारी के रूप में नियुक्त किया तथा संयुक्त राष्ट्र ने शांति दूत के रूप में नियुक्त किया। विभिन्न देशों में पूज्यपाद जगद्रू श्री वसंत विजयानन्द गिरीजी महाराज की प्रेरणा से कई मंदिरों का निर्माण हुआ और जनकल्याणकारी संस्थाओं का सफल संचालन किया जा रहा है। प्रयागराज में आयोजित हुए महाकुंभ में पूज्यपाद गुरुदेव को सनातन धर्म ध्वजा समूचे विश्व में सर्वोच्च शिखर पर स्थापित हो, इस हेतु 13 अखाड़ों की साक्षी में जूना पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर परम पूज्य अवधेशानंद गिरी महाराज द्वारा श्रीमद परमहंस परिव्राजकाचार्य अनन्त श्री विभूषित पूज्यपाद कृष्णगिरी पीठाधीश्वर जगद्रू श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानन्द गिरी जी महाराज के पद से सुशोभित कर पट्टाभिषेक, अलंकरण किया गया।

त्याग-तपस्या और समग्र कल्याण को समर्पित है गुरुदेव का जीवन-

कृष्णगिरी पीठाधीश्वर जगद्रु श्री वसंत विजयानन्द गिरी जी महाराज के जीवन की शुरुआत भले ही कठिनाइयों से हुई लेकिन पीड़ा ने उन्हें अध्यात्म का जो पथ दिखाया उस पर तपकर आप असाधारण सिद्ध शक्तियों के बल से संसार की हर कठिन विपदा से मानव को बाहर निकालने का मार्ग प्रशस्त करते हुए जगत कल्याण की दिशा में अग्रसर हैं। जगद्रु श्री वसंत विजयानन्द गिरी महाराज के जीवन मे कांचीपुरम की यात्रा ने अध्यात्म की ऊंचाई का आभास कराया। यहां से प्रारम्भ हुई यह यात्रा अथक जारी है। आप निरन्तर धर्म, दर्शन, तप, सिद्धि और अध्यात्म जगत की गहराइयों में उतरते गए। कठोर तप और साधना में रत गुरुदेव को स्वप्न में स्वयं मां पार्श्वपद्मावती ने 23 रूपों में दिव्य दर्शन दिए और आदेश दिया, जिसका परिणाम था कि गुरुदेव के संकल्प से आज कृष्णगिरी पर्वत पर विश्व विख्यात मां पार्श्व पद्मावती धाम अद्त स्वरूप में स्थापित हुआ। जगद्रु श्री वसन्त विजयानन्द गिरी जी महाराज के सानिध्य में आज भारत भर में ही नहीं बल्कि विश्व के विभिन्न देशों में

भारतीय धर्म अध्यात्म परम्परा के अनूठे महोत्सव आयोजित किये जाते हैं। जगद्रू देव ने कृष्णगिरी में 240 दिवस की आरंभिक मौन साधना की, जैसे जैसे दैवीय दर्शन का अलौकिक अनुभव होता गया आपकी साधना और तप अधिक कठोर होते गए। गुरुदेव ने 120 दिन की पुनः अखंड मौन साधना, 6 लाख कमल पुष्प और 60 हजार आहुतियां देकर मां पद्मावती को प्रसन्न किया। आपने 21 वर्ष तक काशी के मणिकर्णिका घाट, विंध्य और हिमालय में कठोर तप साधना की। जिसके फलस्वरूप जगद्रू श्री वसंत विजयानन्द गिरी जी महाराज सर्व कल्याण के लिए अग्रसर होते गए।

अद्त और चमत्कारी होगा नौ दिवसीय महामहोत्सव-

कृष्णगिरी तीर्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शंकेश जैन ने बताया कि यह मारवाड़ अंचल का सौभाग्य है कि कृष्णगिरी पीठाधीश्वर जगद्रु श्री वसन्त विजयानन्द गिरी महाराज के चरण पाली नगरी की धरा पर पड़े हैं। आपके आशीर्वाद, मार्गदर्शन और सान्निध्य में 24 जनवरी 2026 शनिवार से 1 फरवरी 2026 रविवार तक भव्यातिभव्य श्री महालक्ष्मी महायज्ञ, पूजा, साधना महा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। धनधान्य की परिपूर्णता, समृद्धि, सुख, शांति और सर्वकल्याण हेतु इस महायज्ञ में हजारों प्रकार के मेवे, प्राकृतिक औषधियों की आहुतियों के साथ महालक्ष्मी, धनलक्ष्मी की आराधना पूजा, विधि विधान से होगी। काशी के कई विद्वान पंडितों के मुखारविंद से करोड़ों मंत्रोच्चार के साथ यह सिध्द महायज्ञ होगा। इसमे 1008 दिव्य अष्टलक्ष्मी कलश करोड़ आहुतियों से सिद्ध किये जायेंगे। समृद्धि और धन को आकर्षित करने वाले जीबू कॉइन और पायरेट लक्ष्मी कुबेर यंत्र भी सिद्ध करवाये जाएंगे।

महामहोत्सव में ऐसी होगी दैनिक गतिविधियां-

पूज्यपाद श्री वसन्त विजयानन्द गिरी जी महाराज के सानिध्य में प्रतिदिन प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक विशिष्ट पूजा, जप और साधना, दोपहर 3 से सन्ध्या 6 बजे तक 9 कुंडीय श्री महालक्ष्मी महायज्ञ का अद्त विधान होगा। जिसमें दिव्य जड़ी बूटियों, सुगन्धित व औषधीय पुष्प पत्तियों, प्राकृतिक वस्तुओं के अलावा, हजारों किलो मेवे, चंदन, गाय के शुद्ध देसी घी की प्रतिदिन लाखों आहुतियां दी जाकर जन सामान्य की सुख शांति, समृद्धि के लिए मंगल कामना की जाएगी। रात्रि में 8 बजे से परमपूज्य जगद्रूदेव के मुखारबिंद से श्री भैरव महापुराण कथा का अमृत बरसेगा। कथा के साथ विशिष्ट अवसरों पर भजन संध्या के भव्य आयोजनों में विश्व विख्यात कलाकार सुमधुर प्रस्तुतियां देंगे। इन सभी आयोजनों के अलावा प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक समस्त आगंतुक श्रद्धालु भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। समस्त आयोजनों में सभी आगन्तुकों का प्रवेश निशुल्क है।

जगद्रू देव द्वारा पूजा साधना आरंभ–

परम पूज्य जगद्रु श्री वसंत विजयानन्द गिरी जी महाराज का पाली आगमन हो चुका है। जगद्रू देव के द्वारा मुख्य नौ दिवसीय आयोजन के निमित्त प्रतिदिन पूजा साधना प्रारंभ कर दी गई है। जगद्रू देव के मार्गदर्शन में महामहोत्सव की भव्य तैयारियां पाली के प्रबुद्धजनों द्वारा की जा रही है। इस श्रृंखला में विभिन्न समाज संगठनों, व्यापार संगठनों, युवाओं, महिला वर्ग के साथ बैठकें आयोजित कर जिम्मेदारी निर्धारित की जा रही है।

रीट मेंस परीक्षा: नि:शुल्क रोडवेज सुविधा बनी छात्रों की परेशानी का कारण, हिंडौन बस स्टैंड पर हालात बिगड़े

हनीस शेख, कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। रीट मेंस परीक्षा को लेकर राज्य सरकार द्वारा परीक्षार्थियों के लिए राजस्थान रोडवेज की बसों में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा दी गई थी, ताकि दूर-दराज़ से आने वाले छात्र बिना किसी परेशानी के अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंच सकें। लेकिन हिंडौन शहर में यह व्यवस्था कई परीक्षार्थियों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बनती नजर आई। रीट मेंस की परीक्षा देने आए छात्र-छात्राओं को हिंडौन बस स्टैंड पर घंटों तक बसों का इंतजार करना पड़ा। स्थिति यह रही कि बस स्टैंड पर टिकट विंडो करीब ढाई घंटे तक बंद रही, जिससे छात्रों के साथ-साथ आम यात्रियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बसों की उपलब्धता नहीं होने के कारण कई परीक्षार्थियों को मजबूरी में निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा। छात्रों का कहना है कि निजी वाहन चालक इस मौके पर मनमाना किराया वसूल कर रहे हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

रोडवेज बसों के अभाव में जयपुर सहित अन्य परीक्षा केंद्रों की ओर जाने वाले परीक्षार्थी बस स्टैंड पर परेशान होते नजर आए। खासकर हिंडौन क्षेत्र के बझेडा, कांचरौली, कटकड़, टोडूपुरा, सिंघान, झारेड़ा सहित आसपास के गांवों से आए छात्र-छात्राओं को समय पर साधन नहीं मिलने से तनावपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ा।

बस स्टैंड पर मौजूद कई छात्रों ने बताया कि परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर इस तरह की अव्यवस्था से मानसिक दबाव बढ़ जाता है और परीक्षा पर भी इसका असर पड़ सकता है। छात्रों ने मांग की कि परीक्षा के दिनों में रोडवेज बसों की संख्या बढ़ाई जाए और टिकट काउंटर समय पर संचालित किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी भी परीक्षार्थी को इस तरह की परेशानी न झेलनी पड़े। फिलहाल, रीट मेंस परीक्षा के दौरान हिंडौन बस स्टैंड पर रोडवेज व्यवस्था को लेकर छात्रों में नाराजगी देखने को मिल रही है और प्रशासन से जल्द सुधार की उम्मीद की जा रही है।

सवाई माधोपुर का 263वां स्थापना दिवस समारोह

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर के 263वें स्थापना दिवस समारोह के पहले दिन शनिवार को जिला मुख्यालय पर दशहरा मैदान में तीन दिवसीय रणथम्भौर कला शिविर शुरू हुआ। वन्यजीवों की आकर्षक फोटोग्राफ की प्रदर्शनी के साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों और दूसरे राज्यों के चित्रकारों की जीवन्त कला अभिव्यक्ति का यह आयोजन सोमवार तक जारी रहेगा। स्थानीय फोटोग्राफर और क्यूरेटर विजय कुमावत ने बताया कि यह शिविर "कला के जरिए वन्यजीव संरक्षण" थीम पर आयोजित किया जा रहा है। इसमें जिले के फोटोग्राफर और चित्रकार सहित अन्य जिलों और हैदराबाद के चित्रकार हिस्सा ले रहे हैं। इसमें स्कूली विद्यार्थी भी रंगों और ब्रश के जरिए अपने विचारों की अभिव्यक्ति के गुर सीख रहे हैं। शिविर में प्रतिभागी चित्तौडगढ निवासी चित्रकार डॉ. मुकेश शर्मा कला के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को एक बेहतरीन विचार मानते हैं। बूंदी के सुनील कुमार जांगिड़ भी अपने चित्रों में वन्य जीवन को अभिव्यक्त करते हैं और इस विषय पर शिविर में भागीदार बने हैं। इसी थीम पर 30 वर्षो के चित्रकारी कर रहे स्थानीय चित्रकार ओम प्रकाश महावर को कई वर्ष में पहली बार किसी कला शिविर में

भाग लेने का अवसर मिला है। अजमेर निवासी माण्डना चित्रकार कला शिविर में कन्टमपरेरी और राजस्थान के विभिन्न हिस्सों के अलग-अलग माण्डना चित्र शैलियों के मिश्रण की नई अभिव्यक्ति का प्रदर्शन कर रहे है। जयपुर के कैलीग्राफी और चित्र विशेषज्ञ हरि शंकर बालोठिया 76 वर्ष की उम्र में भी ब्रश और कलम पर अपनी पकड़ का बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। कुमावत के अनुसार, जिला प्रशासन ने कलाकारों की नई पीढ़ी को चित्रकारी के अपने हुनर को और अधिक निखारने का अवसर देने के लिए यह कला शिविर आयोजित किया है। इस तीन दिवसीय आयोजन का सर्वाधिक लाभ उन सैंकड़ों बच्चों को मिलेगा जो अनुभवी चित्रकारों की सहायता से चित्रकारी की भाषा की बारीकियां सीखेंगे।

विधिक साक्षरता क्लब के माध्यम से आयोजित हुई अंतर- विद्यालय प्रतियोगिता

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सोनिका पुरोहित तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ. शरद कुमार व्यास के निर्देशानुसार शनिवार को जिला मुख्यालय के निकटवर्ती लक्ष्मीपत सिंघानिया अकादमी में विधिक जागरूकता क्लब के अन्तर्गत अंतर— विद्यालय प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ. शरद कुमार व्यास ने प्रतियोगिता का पर्यवेक्षण किया। सचिव डॉ. व्यास ने कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों की सही जानकारी ही सशक्त नागरिकता की नींव है। विधिक साक्षरता आज के समय की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही संविधान, मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी देना समाज में न्याय, समानता और कानून के प्रति सम्मान की भावना विकसित करता है। उन्होंने कहा कि विधिक जागरूकता क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों को कानून से जुड़ी बुनियादी जानकारियां प्रदान कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए बताया की सार्वजनिक भाषण अत्यंत महत्वपूर्ण कौशल है। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और अपने

विचार प्रभावी ढंग से व्यक्त करने की क्षमता विकसित होती है तथा यह भी कहा की हमेशा आगे बढ़ते रहें, सीखते रहें और अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। सचिव डॉ. शरद कुमार व्यास ने बताया कि इस क्लब के माध्यम से छात्रों को बुनियादी विधिक जानकारियां उपलब्ध करवाए जाने हेतु विद्यालयी स्तर विभिन्न अंतर विद्यालयी प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाकर छात्रों को विधिक रूप से जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में शनिवार को चतुर्थ अन्तर—विद्यालयी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कुल 65 विद्यार्थियों ने भाग लिया। आयोजित प्रतियोगिताओं में वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय "भारत सच्चे अर्थों में एक लोकतांत्रिक देश है", पोस्टर एवं निबंध लेखन का विषय "शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार : एक मूल अधिकार", भाषण प्रतियोगिता का विषय "हमारे संवैधानिक आदर्श" तथा लघुनाटिका प्रतियोगिता का विषय "शिक्षा का जीवन में महत्व" रहा। प्रधानाचार्य दीपक पुरोहित ने अतिथियों का स्वागत किया और सह — शैक्षिक गतिविधियों में विद्यार्थियों की समुचित भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सह-शैक्षिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में कानून के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। प्रतियोगिताओं के निर्धायक के रूप में असिस्टेंट एलएडीसीएस प्रकाश वर्मा, प्रियंका व मेघना रांकावत मौजूद रहे। इस अवसर पर क्लब इंचार्ज रमेश कुमार कुमावत, सुमन नैण, आशुतोष गांगूली, रामजीलाल गिल, उषा शर्मा, पवन कुमार जोशी, रामप्रताप बुडानिया, दमयंती शर्मा आदि मौजूद रहे। संचालन यशस्विनी झा एंव दीक्षा गोठवाल ने किया।

रक्षा मंत्रालय से ड्रोन बनाने वाली कंपनी को मिला 404 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। जेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को 9.42 प्रतिशत की तेजी आई और वे 1,344.30 रुपये के उच्च

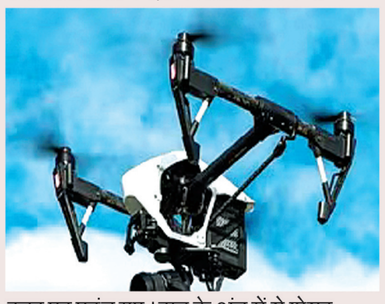

स्तर पर पहुंच गए। सत्र के अंत में ये शेयर 8.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,332.20 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। इस स्तर पर भी, पिछले छह महीनों में शेयर 27.20 प्रतिशत नीचे बना हुआ है और पिछले एक साल में करीब 40 पर्सेंट गिर चुका है। हालांकि, धैर्य रखने वाले निवेशकों को इस कंपनी ने मालामाल कर दिया है। पिछले 5 साल में जेन टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने करीब 1300 पर्सेंट का छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। आज की यह तेजी कंपनी द्वारा बड़े ऑर्डर हासिल करने की घोषणा के बाद आई है। सेबी के लिस्टिंग नियमों के तहत एक नियामक फाइलिंग में जेन टेक्नोलॉजीज ने बताया कि उसे भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय से जीएसटी सहित कुल 404 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी के अनुसार, इन ऑर्डरों में 332 करोड़ रुपये के एंटी-ड्रोन सिस्टम/काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम (सी-यूएएस) की आपूर्ति के लिए और 72 करोड़ रुपये के ट्रेनिंग सिम्युलेटर और उपकरणों के लिए ऑर्डर शामिल हैं। तकनीकी रूप से, यह शेयर 5-दिन, 10-, 20-, 30-दिन और 50-दिन की सरल चलती औसत (एसएमए) से ऊपर कारोबार कर रहा है, लेकिन 100-दिन, 150-दिन और 200-दिन की एसएमए से नीचे है। 14-दिन का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआई) 50.66 पर है। 30 से नीचे का स्तर ओवरसोल्ड माना जाता है, जबकि 70 से ऊपर का मान ओवरबॉट माना जाता है। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, जेन टेक्नोलॉजीज स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड प्राइस-टू-अर्निंग (पी/ई) अनुपात पर क्रमश : 58.36 और 44.48 पर कारोबार कर रही है, जबकि इसका प्राइस-टू-बुक (पी/बी) मूल्य 7.72 है। कंपनी का स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड ईपीएस 22.91 और 30.06 रहा, जबकि इसकी रिटर्न ऑन इक्विटी (आरओई) 13.22 प्रतिशत रही।

न्युवोको विस्टास ने वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही के लिए अपने बेहतरीन वित्तीय परिणाम घोषित किए

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की एक प्रमुख बिल्डिंग मटीरियल कंपनी, ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम घोषित किए। कंपनी पूर्व में रणनीतिक क्षमता विस्तार पर अपनी प्रगति जारी रखे हुए है, साथ ही वडराज सीमेंट सुविधाओं में प्रोजेक्ट का काम भी ट्रैक पर है, जिसमें क्लिंकर यूनिट और ग्राइंडिंग यूनिट्स का ऑपरेशन वित्तवर्ष 27 की तीसरी तिमाही से शुरू होने वाले चरणों में करने की योजना है। ये प्रयास और पहलें न्युवोको की कुल सीमेंट क्षमता को -35 एमएमटीपीए तक पहुंचाती हैं, जिससे यह लंबे समय के लिए भारत में पांचवें सबसे बड़े सीमेंट ग्रुप के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। तिमाही के शुरुआती हिस्से में छोटी-बड़ी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने सालाना आधार पर बेहतर प्रदर्शन बनाए रखा। कंपनी ने वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही 5 एमएमटी की अब तक की सबसे ज्यादा तीसरी तिमाही की सीमेंट बिक्री वॉल्यूम हासिल की, जिसमें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ऑपरेशन से कंसोलिडेटेड आय वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 2,701 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का कंसोलिडेटेड एबिटिडा वित्तवर्ष 26 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 386 करोड़ रुपए रहा। प्रीमियम उत्पादों ने अपनी मजबूत गति बनाए रखी, जिसमें प्रीमियमाइजेशन1 लगातार दूसरी तिमाही में 44 प्रतिशत के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर बना रहा। यह मजबूत प्रदर्शन न्युवोको कॉन्क्रीटो और न्युवोको ड्यूरागार्ड फ्रेंचाइजी के लिए बढ़ते ब्रांड आकर्षण को उजागर करता है, जिसमें बिल्डिंग मटीरियल उपयोग में विश्वसनीय विकल्पों के रूप में बढ़ती पहचान मिल रही है। आरएमएक्स बिज़नेस अपने कॉन्क्रीटो उत्पादों की रेंज में वॉल्यूम में बढ़ोतरी देख रहा है। मांग का फायदा उठाते हुए, डिवीजन ने कॉन्क्रीटो ट्राई शील्ड लॉन्च किया, जो एक विशेष उत्पाद है जो तीन-परत ड्यूरेबिलिटी और स्ट्रक्चरल जीवनकाल में -50 प्रतिशत की वृद्धि प्रदान करता है। इस बीच, एमबीएम बिज़नेस ने न्युवोको ज़ीरो एम उन्नति ऐप लॉन्च किया, जो एक डिजिटल लॉयल्टी प्लेटफॉर्म है जिसे इन्फ्लुएंसर जुड़ाव, पारदर्शिता और डेटा-संचालित चैनल विकास को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

2 दिन में सिर्फ 13 प्रतिशत भरा आईपीओ, ग्रे मार्केट अब भी दिखा रहा 27 का फायदा

दांव लगाने का आखिरी दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमागी मीडिया लैब्स आईपीओ को लेकर निवेशकों में कोई खास उत्साह नहीं देखने को मिल रहा है। कंपनी के आईपीओ पर आज दांव लगाने का आखिरी दिन है। आईपीओ पहले दो दिन में 0.13 गुना सब्सक्राइब किया गया था। बता दें, ग्रे मार्केट में भी अमागी मीडिया लैब्स आईपीओ की स्थिति अच्छी है।

इस मेनबोर्ड आईपीओ को रिटेल कैटगरी में पहले दो दिन में 0.52 गुना, क्यूआईबी में 0.03 गुना और एनआईआई में 0.08 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ 12 जनवरी 2026 को खुला था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 804.88 करोड़ रुपये जुटाए थे। अमागी मीडिया लैब्स आईपीओ का प्राइस बैंड 343 रुपये से 361 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 41 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14801 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। बता दें, आईपीओ 13 जनवरी को ओपन हुआ था। निवेशकों के पास 16 जनवरी यानी आज तक दांव लगाने का मौका है। इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज 27 रुपये के जीएमपी पर ट्रेड कर रहा है। जोकि 7.48 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 43 रुपये प्रति शेयर रहा है। इस स्तर पर आईपीओ ग्रे मार्केट में 8 जनवरी 2026 को था। वहीं, सबसे कम जीएमपी 20 रुपये प्रति शेयर रहा है। अमागी मीडिया लैब्स आईपीओ का साइज 1788.62 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 2.26 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार से प्रक्रिया के तहत मौजूदा निवेशक 2.69 करोड़ शेयर बेचेंगे। इस आईपीओ के लिए कोटक महिंद्रा बैंक को लीड मैनेजर और एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। बता दें, कंपनी की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई में होगी।

युवाओं में बढ़ रही हैं रीढ़ की हड्डी की समस्याएं: डॉ. बंग

छिंदवाड़ा ।आजकल की स्थिर जीवनशैली, गलत तरीके से बैठने की आदतें और मोबाइल या कंप्यूटर पर निर्भरता के कारण रीढ़ की समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। यह खासकर युवा पेशेवरों और बुजुर्गों में कमजोरी और जीवन की गुणवत्ता कम होने का प्रमुख कारण बन रही हैं। डॉ. परेश बंग, सीनियर कंसल्टेंट - स्पाइन सर्जरी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने बताया की,गर्दन और पीठ का दर्द अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहा। आजकल युवा मरीजों में भी की हड्डी की समस्याएँ बढ़ रही हैं, जो अक्सर ज्यादा देर तक बैठने, गलत तरीके से बैठने और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण होती हैं। नागपुर के सीनियर स्पाइन सर्जन डॉ. परेश बंग के अनुसार, समय पर सही इलाज, मरीजों की जागरूकता और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं की पहुँच से रीढ़ की समस्याओं के परिणाम बेहतर हो सकते हैं। मैक्स हॉस्पिटल में मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हैं। यह एक आधुनिक सर्जिकल तकनीक है, जो शरीर के ऊतक को कम से कम नुकसान पहुंचाती है, ऑपरेशन के बाद दर्द कम करती है, हॉस्पिटल में रहने का समय कम करती है और मरीज़ों को जल्दी ठीक होने में मदद करती है। इस तकनीक की मदद से मरीज पारंपरिक स्पाइन सर्जरी की तुलना में तेज़ी से और कम जटिलताओं के साथ अपनी सामान्य जिंदगी में लौट सकते हैं। मैक्स हॉस्पिटल, नागपुर में विश्वस्तरीय सुविधाएँ मौजूद हैं, जिनमें उन्नत ऑपरेटिंग रूम, हाई-रेज़ॉल्यूशन इमेजिंग सिस्टम, ऑपरेशन के दौरान नेविगेशन और न्यूरोमॉनिटरिंग तकनीक शामिल हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने पेश किया आईसीआईसीआई प्रू वेल्थ फॉरएवर-विरासती योजना बनाने के लिए आसान उत्पाद

विरासती योजना नामित व्यक्ति को बिना किसी परेशानी और कर मुक्त संपत्ति हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करती है

भोपाल। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने एक आसान और कर मुक्त लाभ प्रदान करने वाला विरासती योजना (लिगेसी प्लानिंग) से जुड़ा समाधान प्रदान करने वाला उत्पाद-आईसीआईसीआई प्रू वेल्थ फॉरएवर लॉन्च किया है। यह उत्पाद, उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है, जो अपने प्रियजनों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना चाहते हैं।

लाइफ कवर की राशि हर महीने तब तक बढ़ती रहती है, जब तक ग्राहक 99 साल की उम्र तक नहीं हो जाते। ग्राहक की दुर्भाग्य से मृत्यु हो जाने पर, पूरी लाइफ कवर राशि, कर-मुक्त लाभ के रूप में लाभार्थियों को दी जाती है। आईसीआईसीआई प्रू वेल्थ फॉरएवर को विशेष रूप से ग्राहकों को आसान और समग्र विरासती योजना से जुड़े समाधान के तौर पर तैयार किया गया है। यदि ग्राहक पॉलिसी अवधि तक जीवित रहता है, तो भुगतान की गई पूरी प्रीमियम राशि वापस कर दी जाती है।

उदाहरण के लिए, एक 55 वर्षीय व्यवसायी, जो इस उत्पाद में सात साल के लिए सालाना 30 लाख रुपए का निवेश करता है, उसका लाइफ कवर 1.5 करोड़ रुपए से शुरू होता है, जो कि बढ़ता रहता है। पॉलिसीधारक की 85 साल की उम्र में मृत्यु होने पर, नामित व्यक्ति को कर-मुक्त लाभ के रूप में 10 करोड़ रुपए मिलेंगे, जिससे उस व्यवसायी की विरासत को बनाए रखने में मदद मिलेगी और परिवार को भी वित्तीय निरंतरता मिलती रहेगी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के मुख्य उत्पाद अधिकारी, श्री विकास गुप्ता ने लॉन्च की घोषणा करते हुए कहा, देश में बढ़ती आय और जीवन प्रत्याशा के बीच लोग अब विरासती योजना के महत्व को समझने लगे हैं। हमें आईसीआईसीआई प्रू वेल्थ फॉरएवर पेश करते हुए खुशी हो रही है, जिसे खास तौर पर ग्राहकों को अपनी विरासती योजना प्रक्रिया को आसान बनाने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है।

उन्होंने आगे कहा, इस उत्पाद के तहत प्रदान किया जाने वाला लाइफ कवर 99 साल की उम्र तक बढ़ता रहता है और ग्राहक की दुर्भाग्य से मृत्यु हो जाने पर लाइफ कवर की राशि कर मुक्त लाभ के तौर पर दी जाती है। यह प्रभावी रूप से अगली पीढ़ी को संपत्ति का हस्तांतरण करने में मदद करता है, जिससे उन्हें वित्तीय सुरक्षा मिलती है। इसके अलावा, निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच की बिल्ट-इन सुविधा ग्राहकों को अपने स्वास्थ्य की सक्रिय रूप से निगरानी और प्रबंधन करने में मदद करती है।

उन्होंने कहा, ग्राहकों से किए गए वादों को पूरा करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में दावा निपटान अनुपात से स्पष्ट है। यह अनुपात 99.3 प्रतिशत रहा, जो कि उद्योग में अग्रणी है। इसमें बिना जाँच वाले दावे के लिए औसत टर्नअराउंड अवधि 1.1 दिन है, जिसे सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं द्वारा समर्थन प्राप्त है। इससे महत्वपूर्ण समय पर त्वरित और सरलता से दावों के भुगतान में मदद करता है।

कृति सेनन

छोटी बहन नूपुर की शादी के बाद भावपूर्ण संदेश साझा किया

कृति ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया। इसकी शुरुआत उनकी और नूपुर की एक तस्वीर से हुई और इसके बाद शादी और अन्य समारोहों की झलकियां साझा की गई। कृति ने अपनी पोस्ट में लिखा, मेरे मन की भावनाओं को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है... । अभी तक यकीन नहीं हो रहा है... सेनन परिवार में इन दिनों खुशियों और भावनाओं का संगम देखने को मिल रहा है। कृति सेनन की छोटी बहन नूपुर सेनन हाल ही में शादी के बंधन में बंध गई हैं। कृति ने अपनी छोटी बहन के लिए एक बेहद इमोशनल मैसेज शेयर किया है मेरी छोटी नूप्स अब पराई हो गई। कृति के इस पोस्ट पर वरुण धवन, श्रद्धा कपूर और आलिया भट्ट जैसे सितारों ने कमेंट कर नूपुर को बधाई दी और कृति को ढांढस बंधाया। फैंस ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'बहनों का प्यार सबसे शुद्ध होता है। 'उन्होंने लिखा,जब मैं पांच साल की थी तब पहली बार तुम्हें अपनी बाहों में लेने से लेकर अब तुम्हारी चादर थामकर तुम्हें अब तक की सबसे खूबसूरत दुल्हन के रूप में सजी-धजी देखकर मेरा दिल खुशी से भर गया है। तुम्हें इतना खुश, प्यार में डूबा हुआ और अपने जीवन का अगला और सबसे खूबसूरत अध्याय शुरू करते हुए देखकर मेरा दिल भर आया है, तुम्हें वो सबसे अच्छा जीवनसाथी मिला है जिसकी हम कामना कर सकते थे।

लीजा रे

ने करियर के पीक पर आखिर क्यों बनाई थी बॉलीवुड से दूरी?

बॉलीवुड एक्ट्रेस लीजा रे ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद 1994 में फिल्म 'हंसते खेलते' से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया था. इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें 'कसूर', 'बॉलीवुड/ हॉलीवुड' और 2005 में ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्म 'वॉटर' शामिल है। उनकी इमेज हमेशा ग्लैमरस और दमदार अदाकारा की रही, लेकिन 2001 में अपने करियर के पीक पर उन्होंने अचानक बॉलीवुड से दूरी बना ली थी। वहीं लीजा ने 25 साल इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने इस फैसले की असल वजह का खुलासा किया है इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए लीजा रे ने कहा कि वह खुद को इंडस्ट्री में उस तरह नहीं देख पा रही थीं, जैसे वह वास्तव में थीं. उन्होंने कहा, '2001 में, मैंने भारत में शोहरत से किनारा कर लिया था, ऐसा इसलिए नहीं था कि काम नहीं मिल रहा था - बल्कि इसके उल्ट मेरे पास काम की भरमार थी. मेरे पीछे कई सफल फिल्में थीं, आगे कई ऑफर थे, और मुझे इस बात का क्लियर एहसास था कि लोग मुझे कैसे देख रहे हैं. मुझे सिर्फ सुंदर मॉडल के रूप में देखा जा रहा था। इन सब में उनकी असली आवाज और व्यक्तित्व दबा दिया गया था। ' उन्होंने कहा, अपने ब्रेक के दौरान मैं लंदन चली गई और वहां एक कॉलेज में रहकर शेक्सपियर और कविता का अध्ययन किया. मैंने म्यूजियम और कला के बीच समय बिताया और बौद्ध धर्म-योग के बारे में जाना।

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप के बाद पहली बार नजर आईं तारा सुतारिया

वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया एक बार फिर चर्चाओं में हैं। अक्सर अपने रोमांटिक पल और अफेयर को लेकर चर्चाओं में रहने वाला ये कपल, इस बार अपने ब्रेकअप की खबरों को लेकर चर्चाओं में हैं। पिछले लगभग एक हफ्ते से तारा और वीर के ब्रेकअप की खबरें सोशल मीडिया में छाई हुई हैं। पब्लिक अपीयरेंस में तारा अकेली ही नजर आईं, उनके साथ वीर पहाड़िया इस बार नहीं दिखे। जिसके बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरों को और भी बल मिलता है।

साई दुर्गा तेज की 'सांबरला येतिगट्टू' का नया पोस्टर जारी

किसान के रूप में नंगे पांव चलते दिखे अभिनेता

निर्देशक रोहित के. पी. की एक्शन फिल्म 'सांबरला येतिगट्टू' (एसवाईजी) काफी चर्चा में है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्सुकता है, और अब निर्माताओं ने एक नया पोस्टर जारी कर इस उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। पोस्टर में मुख्य अभिनेता साई दुर्गा तेज को बिल्कुल नए और अनोखे अंदाज में दिखाया गया है। यह फिल्म एक पैन-इंडिया पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसका निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इसे के. निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह प्राइम शो एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही है। इसी बैनर ने पहले पैन-इंडिया ब्लॉकबस्टर 'हनुमान' का निर्माण किया था। फिल्म के निर्माताओं का उद्देश्य इसे एक बड़े दर्शक वर्ग के लिए तैयार करना और एक्शन के साथ-साथ गहरी भावनाओं और ग्रामीण संस्कृति को प्रस्तुत करना है। पोस्टर में साई दुर्गा तेज को एक ऐसी ग्रामीण छवि में दिखाया गया है, जिसे दर्शकों ने पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा था। वह ग्रे शर्ट और पारंपरिक पांचा कत्तु पहने नंगे पांव चलते हुए नजर आ रहेहैं।। पोस्टर में वह किसान के रूप में बैल को पकड़ते हुए आगे बढ़ रहेहैं। साई दुर्गा तेज ने अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए बॉडी लैंग्वेज पर कड़ी मेहनत की है। वह फिल्म में चुनौतीपूर्ण एक्शन सीन करते नजर आएंगे। इन सीन्स में उनकी ताकत और मेहनत साफ दिखाई देती है, जिससे फिल्म के दर्शकों में एक्शन के प्रति और भी उत्सुकता पैदा होती है।

स्टेबिन बेन ने किया भाईजान का शुक्रिया

लिखा- अपने वचन के पक्के सबसे बड़े सुपरस्टार...

नूपुर सेनन के पति स्टेबिन बेन ने सलमान खान का शुक्रिया अदा किया है। स्टेबिन ने शादी के रिसेप्शन की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं और भाईजान के लिए एक खास थैंक्यू नोट लिखा। कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन के वेडिंग रिसेप्शन में कई सितारों ने शिरकत की। लेकिन बॉलीवुड के एक ऐसे अभिनेता हैं, जो जहां भी जाते हैं सभी का दिल जीत लेते हैं। ऐसा ही कुछ स्टेबिन के साथ भी हुआ। हाल ही में अपनी शादी के रिसेप्शन में सलमान खान को देखकर स्टेबिन को कैसा महसूस हुआ? यह सबकुछ उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन शादी के बाद हमेशा के लिए एक-दूजे के लिए हो गए हैं। हाल ही में दोनों का मुंबई में वेडिंग रिसेप्शन हुआ, जिसमें सभी की निगाहें सलमान खान पर टिक गईं। आज स्टेबिन ने सलमान की तारीफ में इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, 'सलमान खान हमेशा अपने वादे के पक्के हैं।

साहस अक्सर अकेला होता है' 'मर्दानी 3' के जरिए रानी मुखर्जी ने पुलिसकर्मियों को किया सलाम

बॉलीवुड की वरिष्ठ अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने तीन दशकों से ज्यादा के अपने फिल्मी करियर में एक खास मुकाम हासिल किया है। इन दिनों वह 'मर्दानी 3' को लेकर चर्चा में हैं। 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी को दर्शक अभी तक काफी पसंद करते आए हैं। इसमें रानी का पुलिस इंस्पेक्टर शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार लोगों के दिलों में बसा हुआ है, ऐसे में वे उन्हें एक बार फिर उसी किरदार में देखने को काफी उत्सुक हैं। पुलिस प्रशासन की चुनौतियों और समर्पण के बारे में रानी मुखर्जी ने कहा, ''मैंने शिवानी के किरदार के जरिए पुलिस प्रशासन के असली साहस को महसूस किया। मैंने देखा है कि साहस अक्सर अकेला होता है और जो लोग कठिन परिस्थितियों में सही काम करते हैं, उन्हें बहुत बार अकेले ही उसका सामना करना पड़ता है। शिवानी मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का किरदार नहीं है, बल्कि यह मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा है, जो हमेशा मेरे साथ होता है। मैं इसकी सोच और व्यवहार को महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा, ''मर्दानी फ्रेंचाइजी मेरे लिए पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और सलाम का जरिया है। मैं भारतीय पुलिस बल की सराहना करती हूं कि वे हर दिन कठिन परिस्थितियों में डटे रहते हैं। किसी शिकायत या पुरस्कार की उम्मीद के बिना देश की सेवा करते हैं।''मर्दानी 3' के ट्रेलर पर सामने आ रही दर्शकों की प्रतिक्रिया पर रानी ने कहा, ''देश के लोग सामाजिक अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए हमेशा तैयार हैं। लोगों का उत्साह और प्यार यह दिखाता है कि हम गलत के खिलाफ गुस्सा और सही काम के लिए गर्व महसूस करते हैं। हमारी फिल्म का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाना भी है।

'एक दिन' के टीज़र में साई पल्लवी और जुनैद खान ने जीता दिल

फ्रेश जोड़ी, फ्रेश रोमांस!

'एक दिन' में साई पल्लवी और जुनैद खान की जादुई केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। यह फिल्म आमिर खान और मंसूर खान के रीयूनियन को भी दिखाती है, जो कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, जाने तू... या जाने ना जैसी फिल्मों के बाद एक बार फिर साथ आ रहे हैं! अगर बात प्यार की हो, तो सब कुछ जादुई लगने लगता है। एक बिल्कुल जादुई, सॉफ्ट और क्लासिक लव स्टोरी लेकर आमिर खान प्रोडक्शंस की 'एक दिन' का टीज़र आखिरकार रिलीज़ हो गया है, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान की क्यूट, लवली और फ्रेश जोड़ी देखने को मिल रही है। पोस्टर ने ही इस खूबसूरत प्यार की कहानी के लिए हमारी एक्साइटमेंट बढ़ा दी थी, और अब टीज़र सच में एक ट्रीट साबित होता है। सर्दियों की बर्फीली खूबसूरती से सजा 'एक दिन' का टीज़र दिल को छू लेने वाले डायलॉग के साथ शुरू होता है और अपनी सुकून देने वाली, मीठी धुन के जरिए प्यार के जज़्बात को खूबसूरती से सामने लाता है। साई पल्लवी और जुनैद खान की फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ी की मनमोहक केमिस्ट्री दिखाते हुए, यह टीज़र दिल को प्यार और अपनापन से भर देता है। यह एक ऐसी लव स्टोरी का वादा करता है जो आज के बॉलीवुड में कम ही देखने को मिलती है और बड़े पर्दे पर उस रोमांटिक जादू को फिर से लौटाता है, जिसकी काफी समय से कमी महसूस हो रही थी। साउथ सिनेमा की क्वीन साई पल्लवी, जो अपनी मोस्ट-अवेटेड हिंदी डेब्यू कर रही हैं, अपने सिग्नेचर ग्रेस, गहराई और सादगी के साथ नजर आती हैं। वहीं जुनैद खान पूरे कॉन्फिडेंस के साथ एक नए इमोशनल ज़ोन में दिखते हैं और उनका चार्म अपने आप दिल जीत लेता है। 'एक दिन' के साथ आमिर खान और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर मंसूर खान लंबे समय बाद फिर से साथ आए हैं। 'एक दिन' में दोनों एक बार फिर रोमांटिक लव स्टोरी लेकर साथ आए हैं, जो इस फिल्म को देखने लायक बनाती है। यह रीयूनियन फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ा देता है और इसके अगले अपडेट्स का इंतज़ार और ज्यादा करा रहा है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'एक दिन' में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है, जबकि इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

प्राइम वीडियो की बहुप्रतीक्षित हिंदी क्राइम थ्रिलर सीरीज़ 'दलदल' का वैश्विक प्रीमियर 30 जनवरी को

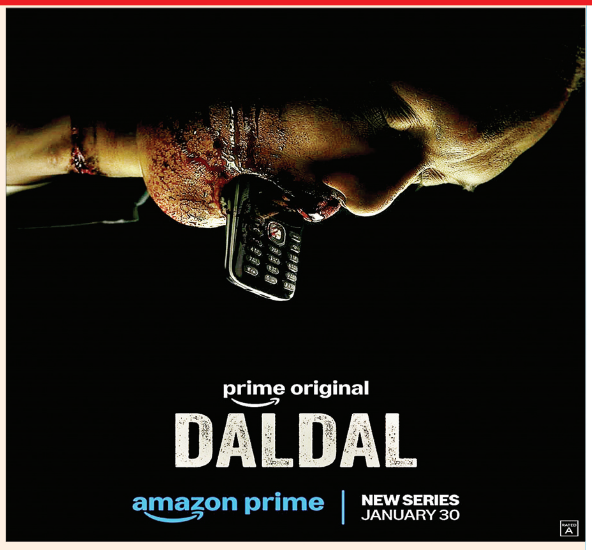

भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी हिंदी क्राइम थ्रिलर सीरीज़ दलदल के वैश्विक प्रीमियर की तारीख का ऐलान कर दिया है। यह सीरीज़ 30 जनवरी को भारत सहित दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। इसके साथ ही मेकर्स ने एक ज़बरदस्त और खौफनाक टीज़र भी जारी किया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

चर्चित किताब से स्क्रीन तक

'दलदल' मशहूर लेखक विष धमिजा की बेस्टसेलिंग किताब भेंडी बाज़ार पर आधारित है। इस सीरीज़ का निर्माण एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट के बैनर तले हुआ है। सीरीज़ को सुरेश त्रिवेणी ने विकसित किया है और विक्रम मल्होत्रा के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। निर्देशन की कमान अमृत राज गुप्ता ने संभाली है।

दमदार स्टारकास्ट

इस सीरीज़ में भूमि पेडनेकर, समारा तिजोरी, आदित्य रावल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कहानी: अपराध से आगे की पड़ताल

मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित 'दलदल' की कहानी मुंबई क्राइम ब्रांच की नवनियुक्त डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि पेडनेकर) के इर्द-गिर्द घूमती है। न्याय के प्रति समर्पित रीटा अपने अतीत की एक भूल और भीतर के डर से जूझ रही होती है। इसी दौरान वह एक बेरहम और विकृत मानसिकता वाले हत्यारे का पीछा करते हुए खुद को एक खौफनाक खेल में फंसा पाती है। जारी टीज़र में अपराधों की बर्बरता और मानसिक डर को बेहद सशक्त तरीके से दिखाया गया है—कटे हुए हाथ, विकृत हत्या के दृश्य और हर अपराध के पीछे छिपी भयावह मानसिकता। यह साफ संकेत है कि 'दलदल' कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है।

सिर्फ़ 'किसने किया' नहीं, बल्कि 'क्यों किया '

'दलदल' महज़ एक क्राइम-सस्पेंस नहीं, बल्कि आघात, नैतिकता और मानव मन के अंधेरे पहलुओं की गहरी पड़ताल है। यह सीरीज़ दर्शकों से सिर्फ़ यह सवाल नहीं पूछती कि अपराध किसने किया, बल्कि यह भी पूछती है कि आखिर ऐसा क्यों किया गया।

मेकर्स की प्रतिक्रिया

प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स हेड निखिल मधोक के अनुसार, 'दलदल पारंपरिक साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर से आगे जाकर आघात, संवेदनशीलता और मजबूती जैसे विषयों को छूती है। 'वहीं निर्माता विक्रम मल्होत्रा ने कहा कि, 'हमने पुलिस-हत्यारे की कहानी से आगे बढ़कर मानव मन के अंधेरे को समझने की कोशिश की है। 'सीरीज़ के क्रिएटर सुरेश त्रिवेणी के शब्दों में, 'यह कहानी अपराधबोध, पहचान और अधूरे घावों की है—जहाँ डर धीरे-धीरे भीतर पनपता है। '

क्राइम सीज़न की शानदार शुरुआत

'दलदल' के साथ प्राइम वीडियो पर क्राइम कंटेंट का एक रोमांचक सीज़न शुरू हो रहा है, जिसमें आगे कई अंतरराष्ट्रीय और भारतीय प्रोजेक्ट्स भी शामिल होंगे।

नोट करें तारीख: 30 जनवरी

एक ऐसी क्राइम थ्रिलर के लिए तैयार हो जाइए, जो सिर्फ़ डराएगी नहीं, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करेगी।

(साभार एजेंसी)

भारत-न्यूजीलैंड मैच से पहले मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे गंभीर

हवन-अनुष्ठान कर जीत की कामना की, इंदौर में रविवार को होगा मुकाबला

इंदौर(एजेंसी)। इंदौर में रविवार को होने वाले मैच को लेकर तैयारी तेज हो गई हैं। भारतीय और न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम इंदौर पहुंच गई हैं। मैच से पहले भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर शुक्रवार को आगर मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे। यहां वे हवन-अनुष्ठान में शामिल हुए और वैदिक मंत्रोच्चार किया।

पूजन अनुष्ठान के बाद गौतम गंभीर ने माता के दरबार में कुछ समय बिताया। गर्भगृह में मुख्य पुजारी दिनेश गुरू ने उन्हें माता की चुनरी ओढ़ाई। इधर, इंदौर में दोनों ही टीमें प्रैक्टिस करने मैदान में उतरीं।गौतम गंभीर शुक्रवार सुबह नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे।

250 रन के अंदर रोकना चाहिए न्यूजीलैंड को

सुशील दोषी ने बताया कि अगर न्यूजीलैंड पहले बैटिंग करती है तो भारत को उसे 250 से 275 के अंदर रोकना चाहिए। वहीं, अगर भारत पहले बैटिंग करती है तो उसे 300 से ज्यादा रन बनाना चाहिए। भारत की स्ट्रेंथ ही बैटिंग की है। इंदौर का पहला तो ग्राउंड बहुत छोटा है। दूसरा यह है कि यहां का आउटफील्ड भी बहुत तेज है। मतलब आपने जरा सा पुश किया तो वह चौका चला जाता है। छोटे ग्राउंड पर सिक्सर बहुत पड़ते हैं। वहीं, दोषी ने रोहित शर्मा के दोहरा शतक लगाने के सवाल पर कहा कि रोहित शर्मा में वह बात नहीं रह गई है कि वह अब दोहरा शतक लगा पाएं।

बैटिंग करने वाली टीम फायदे में रहेगी

क्रिकेट एक्सपर्ट का कहना है कि ड्यू यानी ओस गिरने से शाम होते-होते बॉलिंग करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। वहीं, इंदौर के दर्शकों को इस बार सबसे ज्यादा उत्साह रोहित और विराट को लेकर है। एक्सपर्ट का मानना है कि रोहित अच्छी शुरुआत देंगे, लेकिन अपने व्यक्तिगत स्कोर को 200 तक इस पिच पर नहीं ले जा पाएंगे। इंदौर के होलकर मैदान के रिकॉर्ड की बात करें तो यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा माना जाता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इंदौर के मैदान में अधिकांश समय पहले बैटिंग करने वाली टीम जीतती है, लेकिन कल के मैच में ओस गिरने के कारण पहले फील्डिंग करना ज्यादा ठीक रहेगा। मीडिया से बात करते हुए क्रिकेट एक्सपर्ट व कमेंटेटर पद्मश्री सुशील दोषी ने बताया कि टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करना चाहिए। इस पिच पर बाद में जब न्यूजीलैंड बॉलिंग करेगी तो ड्यू पड़ेगा। इससे बॉलिंग करने में दिक्कत होगी। इससे भारत को चेस करना आसान होगा।

इंदौर में पाटा पिच, रन बहुत बनते हैं

पद्मश्री सुशील दोषी ने बताया कि इंदौर की पाटा पिच है। यहां पर रन बहुत बनते हैं। टॉस चुनकर अगर आपने फील्डिंग चुनी है तो फास्ट बॉलर का यह कर्तव्य हो जाता है कि कप्तान के फैसले को सही ठहराएं। यह बात जरूर है कि तेज गेंदबाज ने शुरू में विकेट गिरा लिए तो प्रेशर सामने वाली टीम पर बन जाता है। पहले पावर प्ले में कम से कम तेज गेंदबाज को दो विकेट जरूर लेना चाहिए।

विदर्भ दूसरी बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में

5 बार की चैंपियन कर्नाटक को 6 विकेट से हराया, अमन मोखड़े की सेंचुरी

बेंगलुरु (एजेंसी)। विदर्भ ने दूसरी बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने गुरुवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में कर्नाटक को 6 विकेट से हरा दिया। इससे पहले विदर्भ 2024-25 सीजन में भी फाइनल तक पहुंच चुकी है। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पांच बार की चैंपियन कर्नाटक की टीम 49.4 ओवर में 280 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से करुण नायर ने सबसे ज्यादा 76 रन की पारी खेली। विदर्भ के लिए दर्शन नालकंडे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। 281 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की टीम ने अमन मोखड़े के शतक की बदौलत 46.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 284 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। कर्नाटक की ओर से अभिलाष शेट्टी ने 3 विकेट हासिल किए।

करुण नायर की अर्धशतकीय पारी

कर्नाटक की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के कप्तान मयंक अग्रवाल 9 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि शानदार फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल सिर्फ 4 रन ही बना सके। शुरुआती झटकों के बाद करुण नायर ने पारी को संभाला। नायर ने 90 गेंदों में 76 रन की अहम पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 1 छक्का लगाया। उन्होंने ध्रुव प्रभाकर (28 रन) के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की, वहीं कृष्णन श्रीजीथ (54 रन) के साथ शतकीय साझेदारी कर कर्नाटक के स्कोर को मजबूत किया।

श्रीजीथ-करुण की शतकीय साझेदारी

74 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद कृष्णन श्रीजीथ ने करुण नायर के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 113 रन की अहम साझेदारी की। श्रीजीथ ने 53 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से 54 रन बनाए। इसके बाद स्पिन ऑलराउंडर श्रेयस गोपाल ने 39 गेंदों पर 36 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि अभिनव मनोहर ने 33 गेंदों पर 26 रन जोड़कर कर्नाटक को 280 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

दोनों टीमें सेमीफाइनल में कैसे पहुंचीं

कर्नाटक ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मुंबई को 55 रन से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। इस जीत के साथ कर्नाटक ने अंतिम चार में प्रवेश किया।
वहीं, विदर्भ की टीम ने क्वार्टर फाइनल में दिल्ली को 76 रन से मात देते हुए सेमीफाइनल का टिकट कटाया था। शानदार प्रदर्शन के दम पर विदर्भ ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई।

अमन की 138 रन की मैच जिताऊ पारी

- 281 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की टीम को शुरुआती झटका लगा, जब ओपनर अथर्व तायडे सिर्फ 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद ध्रुव शोरे (47 रन) ने अमन मोखड़े के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 119 गेंदों पर 98 रन की अहम साझेदारी कर कर्नाटक को दबाव में डाल दिया।
- शोरे के आउट होने के बाद अमन मोखड़े ने पहले अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर रविकुमार समर्थ के साथ मिलकर 112 गेंदों पर 147 रन की साझेदारी की, जिससे मैच पूरी तरह विदर्भ के पक्ष में चला गया।
- अमन मोखड़े ने 122 गेंदों में 12 चौके और 2 छक्कों की मदद से 138 रन की शानदार और मैच जिताऊ पारी खेली। रविकुमार समर्थ ने भी अर्धशतक लगाया और 76 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके लगाए और टीम को जीत दिलाई।
- विकेटकीपर रोहित बिनकर ने 11 रन बनाए, जबकि कप्तान हर्ष दुबे बिना खाता खोले नाबाद लौटे। कर्नाटक की ओर से अभिलाष शेट्टी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए, जबकि विद्याधर पाटिल को 1 विकेट मिला।

एडिलेड इंटरनेशनल

फाइनल में विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी उभरती हुई स्टार मिरर एंड्रीवा

कैनबरा (एजेंसी)। रूस की मिरर एंड्रीवा एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में कनाडा की विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी। यह मैच महिला टेनिस टूर में सबसे ज़्यादा रैंक वाली टीनएजर खिलाड़ियों के बीच होगा। दुनिया की नंबर 8 एंड्रीवा, जो एडिलेड में तीसरी सीड हैं, ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी हमवतन और डबल्स पार्टनर डायना श्नाइडर को 6-3, 6-2 से हराकर शनिवार के फाइनल में जगह बनाई, जहाँ उनका मुकाबला 17वीं रैंक वाली म्बोको से होगा। यह डब्ल्यूटीए टूर पर एंड्रीवा (18) और म्बोको (19) के बीच पहला मैच होगा। ये दोनों ही टीनएजर खिलाड़ी फिलहाल दुनिया की टॉप 25 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं।

खिलाड़ियों के बॉयकॉट के बाद बीसीबी ने उठाया बड़ा कदम

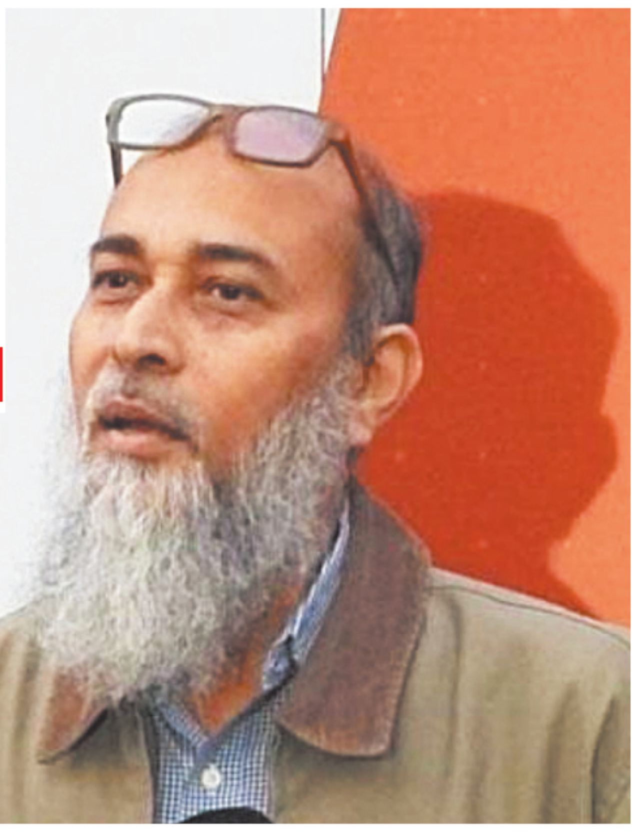

ढाका, एजेंसी। बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और क्रिकेट गतिविधियों के पूरी तरह से बॉयकॉट के बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने डायरेक्टर एम नजमुल इस्लाम को बोर्ड की फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन के पद से हटा दिया है। यह फैसला बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा देश में बांग्लादेश प्रीमियर लीग सहित सभी तरह के क्रिकेट को रोकने के बाद लिया गया है।

एक मीडिया रिलीज में बीसीबी ने कहा कि यह फैसला प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने 'हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद और संगठन के सर्वोत्तम हित में' लिया है, और यह तुरंत प्रभावी होगा। द डेली स्टार के अनुसार बीसीबी ने कहा, 'यह फैसला बीसीबी संविधान के अनुच्छेद 31 के तहत बीसीबी प्रेसिडेंट को दी गई अथॉरिटी के अनुसार लिया गया है और इसका मकसद बोर्ड के मामलों के लगातार सुचारू और प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करना है।' अगले आदेश तक बुलबुल फाइनेंस कमेटी के कार्यवाहक चेयरमैन के रूप में काम करेंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब गुरुवार को चटोग्राम रॉयल्स और नोआखली एक्सप्रेस के बीच बांग्लादेश प्रीमियर लीग का

डायरेक्टर नजमुल इस्लाम को हटाया

25वां मैच रद्द कर दिया गया क्योंकि खिलाड़ियों ने अपना बॉयकॉट जारी रखा और मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आने से इनकार कर दिया। मैच दोपहर 1:00 बजे शुरू होना था और टॉस 12:30 बजे होना था। नजमुल को हटाने के बाद बोर्ड ने खिलाड़ियों से बॉयकॉट खत्म करने और बीसीबी में लौटने का आग्रह किया। रिलीज में आगे कहा गया है, 'बोर्ड अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी खिलाड़ियों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस संबंध में बीसीबी को उम्मीद है कि सभी क्रिकेटर बांग्लादेश क्रिकेट की बेहतरी के लिए उच्चतम स्तर की व्यावसायिकता और समर्पण का प्रदर्शन जारी रखेंगे और बांग्लादेश प्रीमियर लीग में लगातार भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे।'

10 साल का करियर, अनगिनत यादें...

अब जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा 38 साल का यह क्रिकेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शपूर जादरान इस समय बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं. 38 साल के शपूर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के चलते अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत को लेकर क्रिकेट जगत में चिंता बढ़ गई है. युद्ध, संघर्ष और सीमित संसाधनों के बीच अफगानिस्तान क्रिकेट को पहचान दिलाने वाले शपूर जादरान हमेशा मैदान पर जुझारू खिलाड़ी के तौर पर जाने गए, लेकिन अब वह मैदान के बाहर जिंदगी की सबसे बड़ी जंग लड़ रहे हैं.

परिवार और बोर्ड ने दी सेहत की जानकारी- परिवार के सदस्यों के अनुसार, शपूर जादरान पिछले कुछ समय से लगातार अस्वस्थ चल रहे थे. 12 जनवरी 2026 को उनके भाई घमाई जादरान ने सोशल मीडिया के जरिए उनकी हालत की जानकारी साझा की. उन्होंने बताया कि शपूर की तबीयत गंभीर है और उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है. इसके बाद अफगानिस्तान क्रिकेट से जुड़े सूत्रों ने भी पुष्टि की कि शपूर की व्हाइट ब्लड सेल काउंट ड्रॉप हो गया है. जिससे उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है. हालांकि, उनकी बीमारी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक मेडिकल डिटेल सामने नहीं आई है.

सूर्यकुमार यादव पर | **विवादित बयान देने वाली अभिनेत्री बुरी फंसी**

100 करोड़ का मानहानि का केस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम हाल ही में एक विवाद से जुड़ गया है, जिसने सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में हलचल मचा दी है। अभिनेत्री खुशी मुखर्जी के एक इंटरव्यू में दिए गए बयान के बाद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने कड़ा रुख अपनाया है। अंसारी ने मुखर्जी के खिलाफ 100 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दायर किया है, यह आरोप लगाते हुए कि उनके दावों से न सिर्फ सूर्यकुमार यादव की छवि को नुकसान पहुंचा है, बल्कि यह सब सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया गया।

क्या है पूरा मामला

यह विवाद 13 जनवरी को सामने आया, जब खुशी मुखर्जी ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव उन्हें लगातार मैसेज करते थे। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। हालांकि मुखर्जी ने यह भी कहा था कि उनके और सूर्यकुमार यादव के बीच कभी कोई निजी या रोमांटिक संबंध नहीं रहा, लेकिन उनके बयान को लेकर सवाल उठने लगे।

फैजान अंसारी ने क्यों उठाया कानूनी कदम

मुंबई निवासी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने इस बयान को गंभीर मानते हुए कानूनी कार्रवाई का फैसला किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।
अंसारी का कहना है कि मुखर्जी के आरोप बेबुनियाद हैं और इससे एक राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटर की साख को ठेस पहुंची है। स्नद्बक्रदर्ज कराने के लिए अंसारी खुद मुंबई से गाजीपुर पहुंचे, जिससे उनके इरादों की गंभीरता साफ झलकती है।
'यह सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट है' - अंसारी ने आरोप लगाया कि खुशी मुखर्जी ने जानबूझकर सूर्यकुमार यादव का नाम लिया ताकि उन्हें मीडिया कवरेज और सोशल मीडिया पर सुर्खियां मिल सकें।

100 करोड़ रुपए का मानहानि मुकदमा

पत्रकारों से बातचीत में फैजान अंसारी ने बताया कि उन्होंने 100 करोड़ रुपये का मानहानि का केस दायर करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उनकी कानूनी टीम पूरी तरह तैयार है और इससे पहले भी इसी तरह का मुकदमा दायर किया जा चुका है। अंसारी ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं और वह इस मुद्दे को व्यापक स्तर तक ले जाने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

इंडिया ओपन

केंटा निशिमोटो को हराकर क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन, श्रीकांत और प्रणय बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ओपन 2026 में गुरुवार को पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन ने अपने मजबूत डिफेंस और तेज खेल की बदौलत जापान के केंटा निशिमोटो को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय का शानदार प्रदर्शन गुरुवार को टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जीत के लिए नाकाफी रहा। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को लक्ष्य सेन ने केंटा निशिमोटो को 21-19, 21-11 से मात दी। दूसरी ओर, श्रीकांत फ्रांस के बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के विजेता क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए। वहीं, प्रणय को सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार का सामना करना पड़ा। केंटा निशिमोटो के खिलाफ पहले गेम के शुरुआती चरणों में सेन के लिए राह मुश्किल नजर आ रही थी। सेन पहले गेम में जापानी खिलाड़ी से 11-16 और फिर 14-18 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को लंबी

रैलियों में उलझाए रखा और निशिमोटो के स्मैश को रोकने के लिए कुछ शानदार रक्षात्मक स्ट्रोक लगाते हुए वापसी की। उन्होंने लगातार पांच अंक जीतकर बढ़त बनाई और फिर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सेन ने अपनी गति में बदलाव किया और जब भी मौका मिला, हमला किया। जैसे-जैसे उनका आत्मविश्वास बढ़ा, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने हाफ स्मैश को चालाक ड्रॉप शॉट्स के साथ मिलाकर अपने प्रतिद्वंद्वी को भ्रमित रखते हुए 50 मिनट में जीत दर्ज की।

वेनेजुएला की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने ट्रंप को अपना पदक भेंट किया

» वाशिंगटन, भाषा।

वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बृहस्पतिवार को अपना नोबेल शांति पुरस्कार पदक भेंट किया। मचाडो ने इससे पहले कई मौकों पर कहा था कि वह अपना नोबेल पुरस्कार ट्रंप को दे देंगी। उन्होंने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने कुछ दिन पहले ही वेनेजुएला में सैन्य हमला कर उसके नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने की कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर जारी एक तस्वीर में मचाडो ओवल ऑफिस (राष्ट्रपति का कार्यालय) में ट्रंप के साथ खड़ी नजर आ रही हैं और ट्रंप के हाथ में नोबेल शांति पुरस्कार पदक है। इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा है, मारिया कोरिना मचाडो को प्रदान किया गया 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार पदक।

मचाडो ने पदक के साथ संदेश में लिखा, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के लिए- शक्ति के माध्यम से शांति को बढ़ावा देने, कूटनीति को आगे बढ़ाने और स्वतंत्रता एवं समृद्धि की रक्षा करने में आपके असाधारण नेतृत्व के लिए कृतज्ञता के तौर पर। मचाडो द्वारा हस्ताक्षरित और 15 जनवरी 2026 को जारी संदेश में कहा गया है, यह राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा स्वतंत्र वेनेजुएला को सुरक्षित करने के लिए उठाए गए सैद्धांतिक और निर्णायक कदमों के प्रति कृतज्ञता के व्यक्तिगत प्रतीक के रूप में वेनेजुएला के लोगों की ओर से प्रस्तुत किया गया है। अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के साहस को वेनेजुएला के लोग कभी नहीं भूलेंगे। मचाडो ने इस मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, मैंने अमेरिका के राष्ट्रपति को अपना नोबेल शांति पुरस्कार पदक भेंट किया। मचाडो ने कहा कि उन्होंने ऐसा हमारी आजादी के प्रति उनकी अनूठी प्रतिबद्धता को सम्मान देने के लिए किया। ट्रंप ने बाद में सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि मचाडो ने यह पदक उन्हें दिया है। उन्होंने कहा कि मचाडो से मिलना उनके लिए सम्मान की बात है। ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा, वह एक बेहतरीन महिला हैं जिन्होंने बहुत कुछ झेला है। मारिया ने मेरे किए गए काम के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार दिया। यह आपसी सम्मान का कितना अद्भुत भाव है। धन्यवाद मारिया। ट्रंप की लंबे समय से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की चाहत रही है। यह सम्मान पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को उनके राष्ट्रपति पद संभालने के कुछ ही महीनों के भीतर 2009 में प्रदान किया गया था। ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष के शुरुआती आठ महीनों में आठ युद्धों को समाप्त कराने का दावा किया है। उन्होंने कहा है कि जिन आठ युद्धों को उन्होंने समाप्त कराया है, उनमें से प्रत्येक के लिए वह नोबेल शांति पुरस्कार के पात्र हैं। ट्रंप ने यह भी सवाल उठाया कि ओबामा को नोबेल पुरस्कार क्यों दिया गया। उनका कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति ने ऐसा कुछ नहीं किया जिससे वे इसके हकदार बनें। नोबेल संस्थान ने कहा है कि मचाडो अपना पुरस्कार ट्रंप को नहीं दे सकतीं। उसने कहा, नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो जाने के बाद इसे रद्द नहीं किया जा सकता, न ही इसे साझा किया जा सकता है तथा न ही किसी और को हस्तांतरित किया जा सकता है। यह निर्णय अंतिम है और हमेशा के लिए मान्य रहता है। भले ही नोबेल पुरस्कार ट्रंप को देने का मचाडो का यह कदम पूरी तरह प्रतीकात्मक ही हो, लेकिन यह घटनाक्रम असाधारण है क्योंकि ट्रंप ने लंबे समय से वेनेजुएला में प्रतिरोध का चेहरा रहीं मचाडो को प्रभावी रूप से हाशिए पर कर दिया है। ट्रंप ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रीगेज के साथ काम करने की अपनी इच्छा जताई है जो मादुरो की अहम सहयोगी रही थीं। ट्रंप की वेनेजुएला में लोकतांत्रिक शासन का समर्थन करने की प्रतिबद्धता संदेह के दायरे में आ रही है, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया है कि चुनाव कब कराए जा सकते हैं। मचाडो ने संकेत दिया कि इस बारे में चर्चा के दौरान ट्रंप ने कुछ विशिष्ट बातें कही। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या बातचीत हुई।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति ने नई राजनीतिक हकीकत के बीच स्पष्ट किया अपना रुख

काराकस, भाषा। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने बृहस्पतिवार को देश के नाम अपने पहले संदेश में सरकार के नियंत्रण वाले तेल उद्योग को अधिक विदेशी निवेश के लिए खोलने की वकालत की। कार्यवाहक राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब अमेरिका ने वेनेजुएला के कच्चे तेल बिक्री पर नियंत्रण की बात कही है। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति ने अमेरिका द्वारा पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने और सत्ता से हटाए जाने के लगभग दो हफ्ते बाद पहली बार देश की नई राजनीतिक वास्तविकता के बीच अपना रुख स्पष्ट किया है। वेनेजुएला के प्रतिबंधित तेल उद्योग के पुनर्गठन के अमेरिका के कार्यक्रम के साथ सहयोग करने के दबाव के बीच रोड्रिगेज़ ने कहा कि वेनेजुएला में एक नई नीति बन रही है। उन्होंने देश के राजनयिकों से आग्रह किया कि वे इस बदलाव के बारे में विदेशी निवेशकों को सूचित करें। अमेरिकी प्रशासन ने कहा है कि वह वेनेजुएला के तेल राजस्व को नियंत्रित करेगा ताकि इसका वेनेजुएला के लोगों के हित में उपयोग हो सके, न कि भ्रष्टाचार या अन्य कारकों में। वहीं रोड्रिगेज़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि तेल बिक्री से प्राप्त धन राष्ट्रीय बजट में जाएगा और इसका उपयोग संकट से जूझ रही स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने तथा खराब होते बुनियादी ढांचे की मरम्मत में किया जाएगा। अधिकांश बुनियादी ढांचा पहले के नेता ह्यूगो शावेज़ के शासनकाल में बनाया गया था और हाल के वर्षों में उपेक्षित रहा है।

भारत सुरक्षा परिषद में सुधार की दशकों पुरानी मांग में सबसे आगे रहा

विशेषाधिकार से चिपके रहने की कोशिश करने वाले लोगों को भविष्य में कीमत चुकानी होगी : गुतारेस

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि दुनिया के सबसे ताकतवर देशों को सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए सबसे आगे रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग आज विशेषाधिकारों से चिपके रहने की कोशिश करेंगे, उन्हें कल इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। संरा महासचिव गुतारेस ने बृहस्पतिवार को 193 सदस्यीय महासभा में 2026 के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर अपने भाषण में कहा, ऐसी संस्थाओं में सुधार होना चाहिए जो आज की दुनिया को दर्शाती हों। 1945 के समस्या समाधान के तरीकों से 2026 की समस्याओं का हल नहीं निकलेगा। अगर ढांचे हमारे समय, हमारी दुनिया, हमारी वास्तविकताओं को नहीं दिखाते हैं तो वे अपनी पहचान खो देंगे।

उन्होंने समकालिक वास्तविकताओं को दिखाने के लिए वैश्विक संस्था में सुधार का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं का वैश्विक जीडीपी में हिस्सा हर दिन थोड़ा-थोड़ा कम हो रहा है, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं का आकार, ताकत और असर बढ़ रहा है। गुतारेस ने कहा, जो लोग आज विशेषाधिकारों से चिपके रहने की कोशिश करते हैं, उन्हें कल इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। और इसलिए हम सभी को बदलने के लिए हिम्मत दिखानी होगी। दुनिया इंतजार नहीं कर रही है। हमें भी नहीं करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के रूप में गुतारेस का पांच साल का दूसरा कार्यकाल 31 दिसंबर, 2026 को खत्म होगा। उन्होंने आने वाले साल के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर महासभा में अपने पारंपरिक भाषण में कहा कि वह 2026 के हर दिन को अहमियत देंगे और एक बेहतर दुनिया के लिए काम करते रहने, लड़ते रहने और कोशिश करते रहने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहेंगे। भारत सुरक्षा परिषद में सुधार की दशकों पुरानी मांग में सबसे आगे रहा है, जिसमें इसकी स्थाई और गैर-अस्थाई दोनों श्रेणी में बढ़ोतरी शामिल है। भारत का कहना है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की परिषद 21वीं सदी के मकसद के लिए सही नहीं है और इसमें आज की भूराजनीतिक हकीकत नहीं दिखती। नई दिल्ली ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि वह सही मायने में संयुक्त राष्ट्र में स्थाई सीट की हकदार है। भारत पिछली बार 2021-22 में संयुक्त राष्ट्र के सत्र में गैर-स्थाई सदस्य के तौर पर बैठा था। एक विभाजित सुरक्षा परिषद मौजूदा शांति और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में नाकाम रही है और यूक्रेन युद्ध तथा इजराइल-हमास संघर्ष जैसे झगड़ों पर परिषद के सदस्य बंटे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन में काउंसलर, एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने संरा महासभा के पूर्ण सत्र में संगठन के कार्य पर महासचिव की रिपोर्ट विषय पर राष्ट्रीय वक्तव्य देते हुए कहा कि संरा का अपने जरूरी कामों में जानबूझकर दखल नहीं देना असर, वैधता और प्रामाणिकता से जुड़े सवाल उठाता है।

आत्मनिर्णय के अधिकार का दुरुपयोग अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए : भारत

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद इस विश्व निकाय के मंचों का अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दुरुपयोग करने पर इस्लामाबाद से कड़ी नाराजगी जताई। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन में काउंसलर एल्डोस मैथ्यू पुन्नूज ने बृहस्पतिवार को कहा कि आत्मनिर्णय के अधिकार का दुरुपयोग बहुलतावादी और लोकतांत्रिक देशों में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब सदस्य देशों को संकीर्ण विचारों से ऊपर उठना चाहिए, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के सभी मंचों और प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्ण सत्र में संगठन के कार्य पर महासचिव की रिपोर्ट पर राष्ट्रीय वक्तव्य देते हुए पुन्नूज ने कहा, यह मंच भी इसका अपवाद नहीं है और पाकिस्तान ने भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर का अनुचित उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आत्मनिर्णय का अधिकार संयुक्त राष्ट्र चार्टर में निहित एक मौलिक सिद्धांत है। हालांकि, इस अधिकार का दुरुपयोग बहुलतावादी और लोकतांत्रिक देशों में अलगाववाद को प्रोत्साहित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पाकिस्तान की आदत है लेकिन उसे निराधार आरोपों और झूठ का सहारा नहीं लेना चाहिए और वास्तविकता से दूर तस्वीर को पेश करने से बचना चाहिए। भारत की यह कड़ी प्रतिक्रिया संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद द्वारा महासभा में अपने वक्तव्य में जम्मू कश्मीर का संदर्भ दिए जाने के बाद आई। पाकिस्तान बार-बार संयुक्त राष्ट्र और उसके विभिन्न मंचों पर जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन इस मामले में उसे व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कोई खास समर्थन नहीं मिला है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका में चक्रवात दितवाह के बाद हुए आर्थिक नुकसान का आकलन करेगा आईएमएफ

» कोलंबो, भाषा।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का आकलन दल चक्रवात दितवाह से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए 22 से 28 जनवरी तक श्रीलंका की यात्रा करेगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का दल इस बात का पता लगाएगा कि वह श्रीलंका को उसके पुनर्निर्माण प्रयासों में सर्वोत्तम सहायता कैसे प्रदान कर सकती है। इसमें विस्तारित निधि सुविधा द्वारा समर्थित कार्यक्रम को फिर से शुरू करना और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत सलाह एवं तकनीकी सहायता प्रदान करना शामिल है। श्रीलंका में आईएमएफ मिशन के प्रमुख इवान पापाजॉर्जियो ने बयान में कहा, चक्रवात दितवाह से हुए नुकसान के पैमाने एवं दायरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए आईएमएफ का एक दल 22 से 28 जनवर 2026 तक श्रीलंका की यात्रा करेगा। मिशन के निष्कर्षों को आईएमएफ समर्थित कार्यक्रम पर आगे की चर्चाओं में शामिल किया जाएगा।

इस यात्रा के दौरान आईएमएफ का दल सरकारी अधिकारियों और संबंधित हितधारकों से बातचीत करेगी ताकि बुनियादी ढांचे, आजीविका एवं आर्थिक स्थिरता पर पडने वाले व्यापक प्रभाव को समझा जा सके। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब आईएमएफ ने श्रीलंका को आर्थिक सुधार में मदद के लिए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की है। आईएमएफ ने 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर के राहत पैकेज की पांचवीं समीक्षा को अगले महीने तक के लिए टाल दिया है। छठी किस्त के तहत लगभग 33 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि प्राप्त होगी। विश्व बैंक समूह द्वारा दिसंबर में जारी ग्लोबल रैपिड पोस्ट-डिजास्टर डैमेज एस्टिमेशन (जीआरडीई) रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर के अंत में श्रीलंका में आए चक्रवात दितवाह ने इमारतों और उनमें मौजूद सामान, कृषि एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को लगभग 4.1 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष भौतिक नुकसान पहुंचाया है। यह नुकसान श्रीलंका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग चार प्रतिशत के बराबर है। श्रीलंका के हाल के इतिहास में सबसे विनाशकारी चक्रवातों में से एक इस चक्रवात ने सभी 25 जिलों में करीब 20 लाख लोगों और पांच लाख परिवारों को बुरी तरह प्रभावित किया जिससे आजीविका, आवश्यक सेवाएं और व्यापक अर्थव्यवस्था बाधित हुई।

विश्व हिंदी दिवस पर सिंगापुर की नागरिक ने प्रथम पुरस्कार जीता

» सिंगापुर, भाषा।

मॉरीशस में आयोजित प्रतिष्ठित विश्व हिंदी गीत प्रतियोगिता 2026 में सिंगापुर की एक महिला ने एशिया (भारत को छोड़कर) और ऑस्ट्रेलिया क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार जीता है। विश्व हिंदी सचिवालय (डब्ल्यूएचएस) द्वारा आयोजित यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में और विश्व भर में हिंदी भाषा के विस्तार को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। भारतीय मूल की सिंगापुर की नागरिक श्वेता वर्मा एक वित्त पेशेवर और संस्कृति प्रेमी हैं। भारत और मॉरीशस सरकार द्वारा संयुक्त रूप से संचालित अंतरराष्ट्रीय संस्था, डब्ल्यूएचएस ने पांच वैश्विक क्षेत्रों अफ्रीका और पश्चिम एशिया, अमेरिका, एशिया और ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और भारत में प्रतियोगिता का समन्वय किया। प्रतिभागियों ने मौलिक हिंदी गीत प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन रचनात्मकता, साहित्यिक गुणवत्ता और विषयगत प्रासंगिकता के आधार पर किया गया।

वर्मा की रचना का शीर्षक जा रे, उड़ जा रे हिंदी तरंग पंछी था और यह अपनी काव्यात्मक विशेषता और संगीतमय प्रस्तुति के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। विश्व भाषा हिंदी विषय पर लिखा गया, वर्मा का गीत हिंदी को एक प्रतीकात्मक पक्षी के रूप में प्रस्तुत करता है - जो विभिन्न देशों और संस्कृतियों में उड़ान भरता है और एक साझा भाषाई और भावनात्मक सूत्र के माध्यम से दिलों को जोड़ता है। पिछले 16 वर्षों से सिंगापुर में रह रही वर्मा ने कहा, यह सम्मान मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। सिंगापुर के साप्ताहिक अखबार तबलाउ में वर्मा के हवाले से कहा गया है, इतने प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर भाग लेना मेरे लिए बहुत गौरव की बात है। मैं डब्ल्यूएचएस की महासचिव माधुरी रामधारी की हिंदी को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के उनके प्रेरणादायक प्रयासों और मुझे यह अवसर देने के लिए आभारी हूं। गीत के बोल वर्मा ने लिखे थे और संगीतबद्ध करने का काम उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीतकार जयवर्धन दाधीच ने किया। इस गीत को उनकी बेटी कशिश सिंघल ने खूबसूरती से गाया, जो शास्त्रीय रूप से प्रशिक्षित गायिका और कथक नर्तकी हैं।

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने प्रमुख अमेरिकी सांसदों की मेजबानी की

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच गहराती साझेदारी को लेकर अमेरिकी कांग्रेस में मिल रहे निरंतर, द्विदलीय समर्थन का स्वागत करते हुए प्रमुख अमेरिकी सांसदों की मेजबानी की। द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर चल रही बातचीत के बीच पिछले दो महीनों में शीर्ष अमेरिकी सांसदों के साथ यह क्वात्रा की दूसरी ऐसी बैठक रही।क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इंडिया हाउस में एक विशेष शाम।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के 12 माननीय सदस्यों की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला। इंडिया हाउस वाशिंगटन में राजदूत का आधिकारिक निवास है।क्वात्रा ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस में भारत-अमेरिका साझेदारी को और गहरा करने के लिए मिल रहे निरंतर, द्विदलीय समर्थन का स्वागत किया, जिसमें व्यापार और आर्थिक संबंधों, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और नवाचार, मजबूत रक्षा सहयोग तथा महत्वपूर्ण आतंकवाद-रोधी प्रयासों पर व्यापक चर्चा शामिल रही। भारतीय दूत ने यह भी कहा कि आने वाले वर्षों में भारत की सात प्रतिशत से अधिक अनुमानित मजबूत आर्थिक वृद्धि समृद्धि और सुरक्षा के इस साझा दृष्टिकोण को और सुदृढ़ करती है। क्वात्रा ने कांग्रेस सदस्य डेबोरा रॉस और प्रतिनिधि रॉब विटमैन का स्वागत किया, जो कांग्रेसनल स्टडी ग्रुप ऑन इंडिया के सह-अध्यक्ष हैं। यह पहल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा और सीनेट के साथ भारत की भागीदारी को बढ़ाने के लिए है और इसे एसोसिएशन ऑफ फॉर्मर मेंबर्स ऑफ कांग्रेस तथा राउंडग्लास फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर अब तक छह दौर की वार्ता हो चुकी है। इस समझौते में अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क के मुद्दे को सुलझाने के लिए एक रूपरेखा समझौता भी शामिल है। इससे पहले एक दिसंबर को क्वात्रा ने ऊर्जा, रक्षा और व्यापार के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर प्रभावशाली अमेरिकी सांसदों के एक समूह के साथ उपयोगी बातचीत की थी। तब उन्होंने इंडिया हाउस में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम, रिचर्ड ब्लूमेंथल, शेल्डन व्हाइटहाउस, पीटर वेल्च, डैन सुलिवन और मार्कवेन मुलिन की मेजबानी की थी। क्वात्रा विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा के लिए नियमित रूप से अमेरिकी सांसदों से मुलाकात करते रहे हैं।

दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून को पांच साल कैद की सजा सुनाई

सियोल, भाषा। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल कैद की सजा सुनाई। यह फैसला उनके द्वारा मार्शल लॉ लगाए जाने और अन्य आरोपों को लेकर उनके खिलाफ आठ आपराधिक मुकदमों में पहला निर्णय है। संबंधित आरोपों के कारण उन्हें पद से हटना पड़ा था। दिसंबर 2024 में थोड़े समय के लिए मार्शल लॉ लागू किए जाने के बाद व्यापक विरोध भड़क उठा, जिसमें लोगों ने उनके इस्तीफे की मांग की। इसके बाद यून सुक योल पर महाभियोग लगाया गया, उन्हें गिरफ्तार किया गया और राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया। उन पर लगे सबसे गंभीर आरोपों में यह शामिल है कि उनके द्वारा मार्शल लॉ लागू किया जाना देश में विद्रोह करने के बराबर है। स्वतंत्र अधिवक्ता ने विद्रोह के आरोपों में अगले महीने सुनाए जाने वाले आदेश में यून के लिए मृत्युदंड की मांग की है।

रजक समाज ने किया डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत

-पूर्व आईजी सत्यवीर सिंह बने हैं समिति के नए अध्यक्ष

सचिन शैडवाल

धौलपुर (रॉयल पत्रिका)। डॉक्टर अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के प्रदेश स्तरीय चुनाव के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष पूर्व आईजी सत्यवीर सिंह को चुना गया है इसके बाद आज समूचे रजक समाज के पदाधिकारीयों ने झालना स्थित अंबेडकर भवन में पहुंचकर नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्यवीर सिंह और उनकी पैनल टीम का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया और बधाई दी। इस मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्यवीर सिंह ने कहा कि रजक समाज हमारे संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हमेशा चला है आगे भी हम रजक समाज को साथ लेकर चलेंगे क्योंकि एक पेड़ होता है जिसकी कई टहनियां होती हैं उसी टहनियों में एक टहनी हमारे रजक समाज के रूप में है जो हमेशा हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहती है मैं संपूर्ण रजक समाज का हृदय से स्वागत करता हूं। इस मौके पर विश्व रजक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र अखरिया, समन्वय समिति के पूर्व अध्यक्ष मदनलाल खाचरियावास, पूर्व बैंक मैनेजर रामजीलाल, प्रदेश महासचिव प्रमोद दिवाकर, गजेंद्र सोलंकी, रोहित दिवाकर, युवा नेता नीरज दिवाकर एवं सुनील दिवाकर जारगा सहित अन्य रजक समाज के लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में महमूद खान अचकजई नेता प्रतिपक्ष नियुक्त

इस्लामाबाद, भाषा। पाकिस्तान में शुक्रवार को वरिष्ठ पश्तून कबाइली नेता महमूद खान अचकजई को नेशनल असेंबली में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया गया। यह पद पिछले वर्ष अगस्त से रिक्त था, जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटी आई) के उमर अयूब खान को तोडफ़ोड़ के एक मामले में सजा के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था।अचकजई विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ्फुज़-ए-आईन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) के प्रमुख हैं और उन्हें पीटीआई के जेल में बंद संस्थापक इमरान खान ने नामित किया था। नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना के अनुसार, स्पीकर ने नेशनल असेंबली के सदस्य महमूद खान अचकजई को 16 जनवरी 2026 से सदन में नेता प्रतिपक्ष घोषित किया। नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने अधिसूचना जारी की और संसद भवन स्थित अपने कक्ष में अचकजई को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर पीटीआई अध्यक्ष गोहर अली खान और पार्टी के मुख्य सचेतक आमिर डोगर भी मौजूद थे। पूर्व नेता प्रतिपक्ष उमर अयूब खान ने अचकजई को नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा कि वह अपनी जिम्मेदारियों का शानदार ढंग से निर्वहन करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महमूद खान अचकजई को हार्दिक बधाई, जिन्हें आधिकारिक रूप से नेशनल असेंबली में नेता प्रतिपक्ष घोषित किया गया है। नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति में देरी को लेकर पीटीआई के नेतृत्व वाले विपक्ष और सरकार के बीच लंबे समय से मतभेद बने हुए थे।

फ्रांस और जर्मनी ने ग्रीनलैंड में अपने सैनिक भेजने की घोषणा की

ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत में असहमति सामने आने के बीच यूरोपीय सैनिक द्वीप पहुंचे

» नुक, भाषा।

डेनमार्क, ग्रीनलैंड और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत में ग्रीनलैंड के भविष्य को लेकर बुनियादी असहमति उजागर होने के मध्य, कई यूरोपीय देशों के सैनिक डेनमार्क के समर्थन में आर्कटिक द्वीप पहुंच रहे हैं। यह असहमति बृहस्पतिवार को तब और स्पष्ट हो गई, जब व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ने डेनमार्क एवं ग्रीनलैंड के अधिकारियों के साथ और बातचीत की योजनाओं को ग्रीनलैंड को अमेरिका द्वारा हासिल करने के लिए अधिग्रहण समझौते पर तकनीकी वार्ता बताया।

यह डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन के उस बयान से काफी अलग था, जिसमें उन्होंने इसे ऐसा कार्य समूह बताया था जो देशों के बीच मतभेदों को सुलझाने के तरीकों पर चर्चा करेगा। बुधवार को वार्ता शुरू होने से पहले डेनमार्क ने घोषणा की थी कि वह ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाएगा। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नॉर्वे, स्वीडन और नीदरलैंड सहित कई यूरोपीय साझेदारों ने प्रतीकात्मक संख्या में सैनिक भेजना शुरू कर दिया या अगले कुछ दिनों में ऐसा करने का वादा किया। सैनिकों की यह तैनाती यूरोपीय एकजुटता दिखाने और ट्रंप को यह संदेश देने के लिए है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जा जरूरी नहीं है क्योंकि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) मिलकर उस आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है जिसमें रूस और चीन की बढ़ती दिलचस्पी देखी जा रही है। हालांकि, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने बृहस्पतिवार को कहा कि इसका अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्णय लेने या ग्रीनलैंड हासिल करने के लक्ष्य पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ने अपनी प्राथमिकता काफी स्पष्ट कर दी है। वह चाहते हैं कि अमेरिका ग्रीनलैंड हासिल करे। वह मानते हैं कि ऐसा करना हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के सर्वोत्तम हित में है। रासमुसेन ने ग्रीनलैंड के अपने समकक्ष विवियन मोट्सफेल्ट की मौजूदगी में बुधवार को कहा कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ व्हाइट हाउस में बैठक के बाद भी ग्रीनलैंड को लेकर मौलिक असहमति बनी हुई है। रासमुसेन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, हमने एक उच्च स्तरीय कार्य समूह बनाने का फैसला किया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या हम आगे बढने का एक साझा रास्ता खोज सकते हैं। मंत्री ने कहा था कि कार्यकारी समूह की पहली बैठक कुछ ही हफ्तों में होगी। इस बीच, फ्रांस और जर्मनी ने ग्रीनलैंड में अपने सैनिक भेजने की घोषणा की। डेनमार्क के प्रसारक डीआर के अनुसार, डेनमार्क के रक्षा मंत्री ट्रोएल्स लुंड पाउल्सेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कई नाटो देशों के सैनिक बारी-बारी से ग्रीनलैंड में रहेंगे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com